https://www.facebook.com/jantaunion

झाँसी
रविवार, 21 सितम्बर 2025
वर्ष 18 अंक 11
पृष्ठ 8 मूल्य ₹ 3.00
www.epaperjantaunion.com

जनता यूनियन

अधिकतम : 34° से.
न्यूनतम : 26° से.

jantaunion@gmail.com

ट्रेनों के कोच अटेंड बने अवैध कारोबार के...- 3 | सरकार का उद्देश्य महिलाओं एवं बालिकाओं को सशक्त, सुरक्षित...- 8

ट्रंप ने अब भारतीयों पर गिराया वीजा बम, हर साल देनी पड़ेगी 88 लाख रुपए की फीस

वाशिंगटन (जीएनएस)। अमेरिका जाने का सपना देख रहे भारतीय प्रोफेशनल्स के लिए एक बहुत बड़ी और चौंकाने वाली खबर आ रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एच1बी वीजा नियमों में ऐसा भूकंप ला दिया है जिससे अमेरिका की पूरी टेक इंडस्ट्री और दुनियाभर के प्रोफेशनल्स के बीच हलचल मच गई है। दरअसल, अब एच1बी वीजा के लिए कंपनियों को एक लाख डॉलर यानी करीब 88 लाख रुपए की भारी भरकम फीस देनी होगी। अमेरिका दुनियाभर के टैलेंट को अपनी ओर खींचने के लिए जाना जाता रहा है। लेकिन अब अमेरिकन ड्रीम की राह पहले जैसी आसान नहीं होगी

नए नियम के तहत अब एच1बी वीजा स्पांसर करने वाली कंपनियों को अब हर आवेदन के साथ एक लाख डॉलर की फीस चुकानी होगी। इस एक फैसले ने अमेरिका में काम करने की चाह रखने वाले लाखों प्रोफेसनल्स खासकर भारतीयों की उम्मीदों पर सवालिया निशान लगा दिया है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने शनिवार को व्हाइट हाउस में इस ऑर्डर पर साइन किए। अब तक एच-1बी वीजा की एप्लिकेशन फीस 1 से 6 लाख रुपए तक थी। ट्रंप ने व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि एच-1बी का 1,00,000 डॉलर का शुल्क एक बार का शुल्क नहीं है। यह हर साल 1,00,000 डॉलर है। एच-1क्ब अब खत्म हो चुका है। बेहतर होगा कि इसे औपचारिक रूप से समाप्त कर दिया जाए।

एच1बी वीजा क्या होता है

एच-1बी नॉन-इमिग्रेंट वीजा प्रोग्राम अमेरिकी नियोक्ताओं को विशेष व्यवसायों में अस्थायी रूप से विदेशी श्रमिकों को नियुक्त करने की अनुमति देता है। ऐसे व्यवसायों को कानून इस रूप में परिभाषित करता है कि उनके लिए अत्यधिक विशिष्ट ज्ञान और विशिष्ट विशेषता में स्नातक (बैचलर) या उच्च डिग्री या इसके समकक्ष योग्यता की आवश्यकता होती है। ये वीजा तीन साल के लिए जारी होता है, जिसे 6 साल तक बढ़ाया जा सकता है। हर साल अमेरिकी सरकार 65000एच1बी वीजा जारी करती है। जबकि 20 हजार अतिरिक्त वीजा अमेरिकी विश्वविद्यालयों से मास्टर या पीएचडी करने वालों के लिए जारी किए जाते हैं।

इसके बंद होने से भारतीयों को कितना नुकसान होगा

भारत लंबे समय से एच1बी वीजा का लाभ लेने वाला देश रहा है, विशेषरूप से आईटी और टेक्नोलॉजी पेशेवरों के लिए। हर साल हजारों भारतीय इंजीनियर, डॉक्टर और शोधकर्ता एच1बी वीजा से अमेरिका जाते हैं। अगर नियम सख्त किए गए या रोक लगाई गई तो इसका सीधा असर भारत के आईटी सेक्टर या भारतीय टैलेंट पर पड़ेगा।

ट्रंप ने जब से अमेरिका की कमान संभाली है तब से ही वो दुनिया को परेशान करने वाले फैसले ले रहे हैं। जिसमें टैरिफ सबसे बड़ा सबूत है। टैरिफ कैसे दुनियाभर के देशों के साथ ही खुद अमेरिका को भी नुकसान पहुंचा रहा है। ये अच्छे से हर किसी को पता है। यानी की ट्रंप अपनी सत्ता की सनक पूरी करने के लिए किसी भी हद तक जाने के लिए तैयार हैं। टैरिफ के बाद अब ट्रंप ने एक और ऐसा फैसला लिया है, जिसने लाखों लोगों को परेशान कर दिया है। खासकर इसका बड़ा असर भारत पर पड़ने वाला है। दरअसल, जिस फैसले को लेकर डर बना हुआ था अब वही ट्रंप ने फैसला ले डाला है। अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने एच1बी वीजा के नियम बदल दिए हैं।

लाखों भारतीयों के वीजा पर ट्रंप के फैसले के बाद एक्शन में आई मोदी सरकार

वाशिंगटन (जीएनएस)। ट्रंप ने जब से अमेरिका की कमान संभाली है तब से ही वो दुनिया को परेशान करने वाले फैसले ले रहे हैं। जिसमें टैरिफ सबसे बड़ा सबूत है। टैरिफ कैसे दुनियाभर के देशों के साथ ही खुद अमेरिका को भी नुकसान पहुंचा रहा है। ये अच्छे से हर किसी को पता है। यानी की ट्रंप अपनी सत्ता की सनक पूरी करने के लिए किसी भी हद तक जाने के लिए तैयार हैं। टैरिफ के बाद अब ट्रंप ने एक और ऐसा फैसला लिया है, जिसने लाखों लोगों को परेशान कर दिया है। खासकर इसका बड़ा असर भारत पर पड़ने वाला है। दरअसल, जिस फैसले को लेकर डर बना हुआ था अब वही ट्रंप ने फैसला ले डाला है। अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने एच1बी वीजा के नियम बदल दिए हैं। अब नए नियम के मुताबिक एच1बी वीजा अप्लाई करने के लिए 1 लाख डॉलर की फीस भरनी होगी

अमेरिका द्वारा ट्रम्प द्वारा एच1बी वीज़ा पर लगाए गए प्रतिबंधों पर भारत ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। भारत सरकार की तरफ से कहा गया कि इस कदम से परिवारों को होने वाली परेशानियों के रूप में मानवीय परिणाम होने की संभावना है। सरकार को उम्मीद है कि अमेरिकी अधिकारी इन परेशानियों का उचित समाधान कर पाएँगे। भारत ने बयान में कहा कि सरकार ने अमेरिकी एचआईबी वीज़ा कार्यक्रम पर प्रस्तावित प्रतिबंधों से संबंधित रिपोर्टें देखी हैं। इस उपाय के पूर्ण निहितार्थों का अध्ययन सभी संबंधित पक्षों द्वारा किया जा रहा है, जिसमें भारतीय उद्योग भी शामिल है, जिसने एचआईबी कार्यक्रम से संबंधित कुछ धारणाओं को स्पष्ट करते हुए एक प्रारंभिक विश्लेषण पहले ही प्रस्तुत कर दिया है।

सार संक्षेप

भारत से युद्ध की स्थिति में सऊदी अरब करेगा पाकिस्तान की रक्षा

नई दिल्ली (जीएनएस)। सऊदी अरब को मिली गद्दारी की सजा, भारत ने उसके कट्टर दुश्मन से हाथ मिला साइन की गजब की डील, रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ का बड़ा पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने खुलासा किया कि पाकिस्तान और सऊदी अरब के बीच हुए नए सुरक्षा समझौते के तहत, भारत के हमले की स्थिति में सऊदी अरब पाकिस्तान की रक्षा के लिए आगे आएगा। शुक्रवार को पाकिस्तानी समाचार चैनल जियो टीवी से बात करते हुए, आसिफ ने पुष्टि की कि अगर भारत पाकिस्तान के खिलाफ शत्रुता शुरू करता है, तो सऊदी अरब हस्तक्षेप करने के लिए बाध्य होगा। आसिफ ने कहा कि हाँ, बिल्कुल। इसमें कोई शक नहीं है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यह समझौता किसी ख़ास देश के ख़िलाफ़ नहीं है, बल्कि एक सामूहिक रक्षा समझौता है, जो दोनों देशों को किसी भी बाहरी आक्रमण से बचाने के लिए बनाया गया है। उन्होंने आगे कहा कि अगर कोई आक्रमण होता है, चाहे सऊदी अरब के ख़िलाफ़ हो या पाकिस्तान के ख़िलाफ़, हम मिलकर उसका मुक़ाबला करेंगे।

यूरोप के कई हवाई अड्डों पर बड़ा साइबर हमला, यात्री हो रहे परेशान

ब्रूसेल्स (जीएनएस)। चेक-इन और बोर्डिंग सिस्टम के लिए ज़िम्मेदार सेवा प्रदाता को निशाना बनाकर किए गए एक साइबर हमले ने ब्रुसेल्स हवाई अड्डा, लंदन हीथ्रो और बर्लिन ब्रैंडेनबर्ग हवाई अड्डे जैसे कई प्रमुख यूरोपीय हवाई अड्डों पर भारी व्यवधान पैदा कर दिया है। शुक्रवार देर रात हुए इस हमले के कारण हवाई अड्डों को मैन्युअल चेक-इन और बोर्डिंग प्रक्रिया अपनानी पड़ी, जिसके कारण उड़ानों में काफ़ी देरी हुई और उड़ानें रद्द हुईं। ब्रुसेल्स हवाई अड्डे पर कई उड़ानें रद्द कर दी गईं और यात्रियों को सलाह दी गई कि वे केवल तभी यात्रा करें जब उनकी उड़ानें कन्फर्म हों। उन्होंने यात्रियों से शेंगेन उड़ानों से दो घंटे पहले और गैर-शेंगेन उड़ानों से तीन घंटे पहले पहुँचने का आग्रह किया ताकि धीमी मैन्युअल प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाया जा सके। लंदन हीथ्रो ने भी तीसरे पक्ष के सेवा प्रदाता द्वारा उत्पन्न तकनीकी समस्या के कारण देरी की चेतावनी दी। हालाँकि प्रभावित हवाई अड्डों की पूरी सूची अभी तक ज्ञात नहीं है, लेकिन व्यवधान व्यापक था।

दिल्ली के 100 से अधिक स्कूलों को बम की धमकी, जांच में फर्जी पाई गईं

नई दिल्ली (जीएनएस)। राष्ट्रीय राजधानी के 100 से अधिक स्कूलों को शनिवार सुबह बम की धमकी मिली जो बाद में तलाश अभियान में फर्जी पाई गईं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पुलिस से जुड़े सूत्रों ने बताया कि शनिवार सुबह 6.10 बजे ईमेल'टेरराइज़र्स111' समूह के नाम से आया था। इस समूह ने पहले भी स्कूलों को इसी तरह के ईमेल भेजे थे।

ई-मेल का विषय था ''आपके भवन में बम रखे गए हैं-कदम उठाएं या आपदा का सामना करें।'' दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) के अधिकारियों ने बताया कि उन्हें द्वारका स्थित दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस), कृष्णा मॉडल पब्लिक स्कूल, सर्वोदय विद्यालय, द्वारका स्थित सीआरपीएफ पब्लिक स्कूल और नजफगढ़ स्थित माता विद्या देवी पब्लिक स्कूल समेत 10 स्कूलों के बारे में सूचना मिली थी।

मोदी का कांग्रेस पर तीखा वार: 6 दशक तक विदेशी निर्भरता में उलझाया, घोटालों से रोका देश का विकास

भावनगर (जीएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कांग्रेस की आर्थिक नीतियों की आलोचना करते हुए कहा कि पार्टी ने भारत की क्षमता को नज़रअंदाज़ किया। गुजरात के भावनगर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने 1991 से पहले के लाइसेंस-कोटा राज और भारत के बाज़ार खोलने के बाद आयात पर कांग्रेस के ज़ोर की आलोचना की। आत्मनिर्भरता के अपने आह्वान को दोहराते हुए उन्होंने कहा कि भारत को आत्मनिर्भर बनना होगा और दुनिया के सामने मज़बूती से खड़ा होना होगा। भारत में क्षमता की कोई कमी नहीं है, लेकिन आज़ादी के बाद कांग्रेस ने भारत की पूरी क्षमता को नज़रअंदाज़ कर दिया।

प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि इसलिए आज़ादी के 6-7 दशक बाद भी भारत को वह सफलता नहीं मिली जिसका वह हक़दार था। इसके दो बड़े कारण थे। लंबे समय तक कांग्रेस सरकार ने देश को लाइसेंस-कोटा राज में उलझाए रखा और उसे विश्व बाज़ार से अलग-थलग रखा। और फिर, जब वैश्वीकरण का दौर आया, तो आयात का ही एकमात्र रास्ता अपनाया गया। उन्होंने यूपीए सरकार के दौरान हुए घोटालों को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधा और कहा कि उनकी नीतियों ने भारत की असली ताकत को उजागर होने से रोका।

आगामी पर्व-त्योहारों पर लोगों की सुरक्षा, सुविधा का पूरा ध्यान रखा जाए : योगी आदित्यनाथ

लखनऊ (जीएनएस)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कहा कि आगामी पर्व और त्योहारों को लोग हर्ष उल्लास के साथ मनाएं और इस दौरान जनता की सुरक्षा एवं सुविधा का पूरा ध्यान रखा जाए। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। बैठक में वीडियो कांफ्रेंसि के माध्यम से समस्त मंडलायुक्त, जिलाधिकारी, अपर पुलिस महानिदेशक (ज़ोन), समस्त पुलिस आयुक्त, पुलिस महानिरीक्षक, पुलिस उप महानिरीक्षक आदि वरिष्ठ अधिकारियों की सहभागिता रही।

बैठक में मुख्यमंत्री ने सभी अपर मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव से त्योहारों के दृष्टिगत उनकी विभागीय तैयारियों के बारे में जानकारी प्राप्त की। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार का मिशन शक्ति कार्यक्रम नारी सुरक्षा, सम्मान व स्वावलंबन को व्यक्त करता है।

शारदीय नवरात्र के प्रथम दिन आगामी 22 सितंबर से प्रदेशव्यापी 'मिशन शक्ति 5.0' की शुरुआत होगी। चरणबद्ध रूप से यह अभियान एक माह तक चलेगा। उन्होंने कहा कि इसके लिए सभी संबंधित विभाग तैयारियां सुनिश्चित करें।

परमाणु डील को लेकर रूस ने भारत को दिया ऐसा ऑफर, डर से पाकिस्तान ट्रंप की गोद में चढ़ जाएगा

मास्को (जीएनएस)। भारत और रूस मिलकर एक साथ कई प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं। रूस ने अब भारत के सामने एक और प्रस्ताव पेश किया है। ये खबर सामने आई है कि रूस ने भारत के साथ सिविल परमाणु ऊर्जा सहयोग को और मजबूत करने के लिए बड़े और छोटे परमाणु ऊर्जा संयंत्रों के स्थानीयकरण में सहयोग की पेशकश की है। ये जानकारी 19 सितंबर को सामने आई है। मौजूदा वक्त में रूस तमिलनाडु के कुंडककुलम परमाणु ऊर्जा संयंत्रों का निर्माण कर रहा है। रूस की सरकारी परमाणु ऊर्जा कंपनी रोसटोम के मुताबिक इसके महानिदेशक एलेक्सी लिकाचेव ने 15-20 सितंबर को वियना में आयोजित अंतराराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी की 69वीं वार्षिक सभा के दौरान भारतीय प्रतिनिधिमंडल के साथ मुलाकात में ये प्रस्ताव सामने रखा है।

रोसाटॉम के एक बयान के मुताबिक भारत के साथ बाततीच रोसाटॉम के एक रणनीतिक साझेदार हैं, उनकी शांतिपूर्ण परमाणु ऊर्जा में सहयोग बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित की गई। रोसाटॉम ने भारत की मजबूत औद्योगिक क्षमताओं को और ज्यादा ताकत देने के लिए बड़े और छोटे पैमाने के परमाणु ऊर्जा संयंत्र परियोजनाओं के स्थानीयकरण की पेशकश की है। बैठक में दोनों पक्षों ने कुंडनकुलम एनपीपी के दूसरे और तीसरे चरण में निर्माणाधीन चार ईकाईयों की प्रगति की समीक्षा भी की और रूसी डिजाइन वाले बड़े और छोटे परमाणु ऊर्जा संयंत्रों के क्रमिक निर्माण सहित भविष्य की संभावनाओं पर खुलकर बातचीत की है।

भारत के वार से घबराए आतंकी, जैश-ए-मोहम्मद और हिज्बुल मुजाहिदीन ने बदली रणनीति, खैबर पख्तूनख्वा में नया ठिकाना

नई दिल्ली (जीएनएस)। ऑपरेशन सिंदूर के बाद, जिसने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में कम से कम नौ बड़े आतंकवादी ठिकानों का सफाया कर दिया, पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवादी संगठनों ने अपने ठिकानों को पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा (केपीके) में और भी गहराई तक स्थानांतरित कर दिया है। जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) और हिजबुल मुजाहिदीन (एचएम) जैसे समूह अब केपीके में अपनी स्थिति फिर से मजबूत कर रहे हैं, और भारतीय हमलों से बचने के लिए इसके दुर्गम इलाकों, अफगानिस्तान से निकटता और लंबे समय से जिहादियों के सुरक्षित ठिकानों का फायदा उठा रहे हैं। सूत्रों से पता चलता है कि यह आंदोलन पाकिस्तान की राज्य संरचनाओं की प्रत्यक्ष सहायता से संचालित किया जा रहा है, जैसा कि पुलिस संरक्षण में आयोजित जैश-ए-मोहम्मद के खुलेआम जमावड़ों और जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम (जेयूआई) जैसे राजनीतिक-धार्मिक संगठनों की मौन भागीदारी से स्पष्ट सुरक्षित ठिकानों की ओर रणनीतिक बदलाव।

राजस्थान में दिखा भारतीय सेना का शक्ति प्रदर्शन, किया गया अमोघ फ्यूरी युद्धाभ्यास

थार रेगिस्तान (जीएनएस)। भारतीय सेना की सप्त शक्ति कमान ने हाल ही में राजस्थान के थार रेगिस्तान में महाजन फील्ड फायरिंग रेंज में एक प्रमुख एकीकृत अग्नि अभ्यास, जिसका कोडनाम अमोघ फ्यूरी था, आयोजित किया। इस अभ्यास का उद्देश्य वास्तविक समय के युद्ध परिदृश्यों में युद्ध शक्ति, समन्वय और परिचालन तत्परता का परीक्षण करना था, जो बहु-क्षेत्रीय अभियानों के लिए सेना की तैयारी को दर्शाता है। इस अभ्यास में युद्धक टैंकों, पैदल सेना के लड़ाकू वाहनों, हमलावर हेलीकॉप्टरों, लंबी दूरी की तोपों और ड्रोनों का समन्वित प्रदर्शन किया गया। इन प्लेटफार्मों को एक साथ तैनात किया गया ताकि प्रभावी आक्रामक और रक्षात्मक कार्रवाइयों के लिए जमीनी और हवाई साधनों को समन्वित करने की सेना की क्षमता का प्रदर्शन किया जा सके।

अमोघ फ्यूरी का मुख्य फोकस आधुनिक तकनीकों का एकीकरण था, जिसमें नेटवर्क-केंद्रित संचार, कमांड-एंड-कंट्रोल आर्किटेक्चर, और रीयल-टाइम निगरानी एवं लक्ष्यीकरण प्रणालियाँ शामिल थीं। इन क्षमताओं ने एक एकीकृत परिचालन परिदृश्य तैयार करने में मदद की, जिससे सभी इकाइयों में निर्णय लेने और समन्वय में सुधार हुआ। सेना ने कहा कि इस अभ्यास ने सभी रैंकों को यथार्थवादी युद्ध स्थितियों में व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया और साथ ही उभरते खतरों से निपटने के लिए प्रक्रियाओं को परिष्कृत किया। लड़ाकू हथियारों, सहायक इकाइयों और सेवाओं के बीच देखा गया तालमेल आधुनिक युद्धक्षेत्र के लिए एकजुट, तकनीक-संचालित प्रतिक्रियाएँ विकसित करने के प्रयासों को रेखांकित करता है।

सस्ते पानी से रेलवे का यात्रियों को तोहफा, रेल नीर की कीमतें हुईं कम, 22 सितंबर से लागू

नई दिल्ली (जीएनएस)। भारतीय रेलवे ने रविवार को रेल नीर के अधिकतम खुदरा मूल्य में कटौती की घोषणा की। एक लीटर की बोतल की कीमत 15 रुपये से घटाकर 14 रुपये और आधा लीटर की बोतल की कीमत 10 रुपये से घटाकर 9 रुपये कर दी गई है। इस कटौती से ऐतिहासिक जीएसटी सुधारों का लाभ यात्रियों को मिलेगा। रेल नीर के अलावा, आईआरसीटीसी/रेलवे द्वारा चयनित अन्य ब्रांडों की पैकेज्ड पेयजल बोतलों की अधिकतम खुदरा कीमत में भी संशोधन किया जाएगा। ये निर्देश 22 सितंबर से लागू होंगे। आधिकारिक आदेश में कहा गया है कि पैकेज्ड पेयजल की बोतल रेल नीर का अधिकतम खुदरा मूल्य एक लीटर क्षमता वाली बोतल के लिए 15 रुपये से बढ़ाकर 14 रुपये और 500 मिलीलीटर क्षमता वाली बोतल के लिए 10 रुपये से बढ़ाकर 9 रुपये किया जाएगा। यही दरें आईआरसीटीसी/रेलवे द्वारा अनुमोदित अन्य पैकेज्ड वाटर ब्रांडों पर भी लागू होंगी। भारतीय रेलवे दुनिया का सबसे बड़ा रेल नेटवर्क है और लाखों लोग रोज़ाना यात्रा करते हैं, इसलिए पानी यात्रियों द्वारा खरीदी जाने वाली सबसे ज़रूरी चीज़ों में से एक है, खासकर गर्मियों के मौसम में।

सऊदी अरब को मिली गद्दारी की सजा

भारत ने उसके कट्टर दुश्मन से हाथ मिला साइन की गजब की डील

नई दिल्ली (जीएनएस)। पाकिस्तान के साथ डिफेंस डील करने वाले सऊदी अरब को भारत ने तगड़ा जवाब देना शुरू कर दिया है। एक तरफ सऊदी अरब और पाकिस्तान अपनी बर्बादी की डील साइन कर रहे थे। ठीक उसी वक्त भारत सऊदी अरब के पड़ोसी देश संयुक्त अरब अमीरात में बड़ा खेल कर आया। इसी बीच सऊदी अरब के कट्टरपंथियों ने ऐसा ऐलान कर दिया जो उनके खुद के देश को डुबो देगा। इतना ही नहीं सऊदी अरब का सबसे बड़ा प्रोजेक्ट बुरी तरह से फेल हो रहा है। सऊदी अरब पर वैश्विक कर्ज बढ़ता जा रहा है। भारत ये कभी नहीं चाहता था कि सऊदी अरब उसका दुश्मन बने। लेकिन सऊदी अरब ने यही रास्ता चुना। ऐसे में जवाब देना बनता था और तगड़ा जवाब दिया भी गया है। सऊदी अरब के भारत विरोधी कदम उठाने के बाद भारत का एक प्रतिनिधिमंडल मीडिल ईस्ट में सऊदी अरब के सबसे बड़े प्रतिद्वंवदी संयुक्त अरब अमीरात पहुंच गया और वहां जाकर बहुत बड़ी डील का ऐलान कर दिया। ये डील सऊदी अरब और पाकिस्तान के बीच हुई डील से भी बड़ी है। इस डील से संयुक्त अरब अमीरात का भविष्य सुरक्षित हो जाएगा। लेकिन सऊदी अरब बुरी तरह से फंस जाएगा। भारत और यूएई मिलकर तीसरे देशों में बड़े पैमाने पर निवेश करेंगे। इससे उन देशों में अच्छा इन्फ्रास्ट्रक्चर तैयार होगा, साथ ही भारत के कुशल लोगों को बड़ी संख्या में रोजगार मिलेगा।

वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने ने दोनों देशों के इंडस्ट्री लीडर्स के साथ मीटिंग के बाद यह बात कही। उन्होंने कहा कि यूएई में बनने वाले भारत मार्ट की तर्ज पर दूसरे देशों में भी काम किया जाएगा, जिससे छोटे उद्यमियों और एमएसएमई को बड़ी मात्रा में निर्यात करने का मौका मिलेगा।

यूएई के फॉरेन ट्रेड मिनिस्टर डॉ. थानी बिन अहमद अल जेयोदी के साथ यूएई-इंडिया बिजनेस काउंसिल राउंड टेबल की अध्यक्षता करने के बाद गोयल ने कहा कि बातचीत बहुत सार्थक रही और दोनों पक्ष संबंधों को और मजबूत करने की राह पर बढ़ेंगे। गोयल ने बताया कि यूएई के बैंकरों के साथ मीटिंग हुई और वे भारत में बिजनेस बढ़ाने में बहुत दिलचस्पी दिखा रहे हैं।

जम्मू-कश्मीर के उधमपुर में मुठभेड़ में एक जवान शहीद, जैश-ए-मोहम्मद के 4 आतंकवादी फंसे होने की आशंका

जम्मू-कश्मीर (जीएनएस)। जम्मू-कश्मीर में पिछले 24 घंटों में आतंकवादियों के साथ लगातार मुठभेड़ें हुईं, जिससे क्षेत्र में लगातार सुरक्षा चुनौतियों का सामना करना पड़ा। जम्मू-कश्मीर के उधमपुर जिले में शुक्रवार को हुई मुठभेड़ में एक जवान शहीद हो गया, जबकि जैश-ए-मोहम्मद (छ्द्दरू) के तीन से चार आतंकवादी मुठभेड़ में फंसे हुए हैं।

शनिवार सुबह, उधमपुर ज़िले के दूदू बसंतगढ़ की पहाड़ियों पर सुरक्षा बलों की जैश-ए-मोहम्मद (छ्द्दरू) के तीन-चार संदिग्ध आतंकवादियों से मुठभेड़ हुई। सटीक खुफिया जानकारी के आधार पर, भारतीय सेना, विशेष अभियान समूह (स्ह्त) और स्थानीय पुलिस की टीमों ने एक समन्वित अभियान शुरू किया। भीषण गोलीबारी में सेना का एक जवान घायल हो गया, जिसे तत्काल चिकित्सा सहायता प्रदान की गई। अपने शुरुआती बयान में, सेना ने कहा कि मुठभेड़ किश्तवाड़ के सामान्य इलाके में हुई। हालाँकि, एक नए बयान में, सेना ने कहा कि जिस इलाके में मुठभेड़ हुई वह डोडा-उधमपुर सीमा के पास स्थित है।

पं0 दीनदयाल उपाध्याय जन्मोत्सव मेला

महिलाएं पं0 दीनदयाल के अंत्योदय के विचार को जाने : बबीता चौहान

जनता यूनियन मथुरा । पं0 दीनदयाल उपाध्याय जन्मोत्सव मेला के तीसरे दिन शनिवार को दीनदयाल धाम में आयोजित महिला लोकगीत प्रतियोगिता में प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए विशिष्ट अतिथि बबिता चौहान अध्यक्ष राज्य महिला आयोग ने कहा हम महिलाओं को मजबूत करें, यह तभी संभव होगा जब हम सभी महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित हो। उन्होंने कहा कि पं0 दीनदयाल उपाध्याय ने अंत्योदय का विचार दिया था। उन्हीं के सिद्धांत के अनुसार जब तक अंतिम पंक्ति में अंत में बैठी महिला का उद्धार नहीं कर दूंगी, तब तक चैन से नहीं बैठूंगी। जब तक महिलाएं अंत्योदय को विचार को स्वयं नहीं जानेगी, तब तक अंत्योदय का सपना साकार नहीं होगा।

मुख्य अतिथि श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर मैत्रेयी गिरी जी महाराज श्री पंचदशनाम जूना अखाड़ा ने आशीर्वचन देते हुए कहा भारतीय संस्कृति, संस्कार और परम्परा को अपने जीवन में अपनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि पण्डित जी लोक संस्कृति के लोप होने और पाश्चात्य संस्कृति के हावी होने पर चिंतित थे। लोक संस्कृति जो लोप होती जा रही है वह महिलाओं में जागृति आने से आयेगी। उन्होंने अस्त्र शस्त्र की प्रतियोगिता कराने का सुझाव दिया। पूर्व ऊर्जा मंत्री एवं विधायक श्रीकांत शर्मा ने महिलाओं के सशक्तिकरण पर जोर।

इससे पूर्व बालिका और महिलाओं के वर्ग में लोकगीतों की प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया। प्रतियोगिता में जच्चा गीत, लगुन गीत, भांवर गीत, बधाई गीत, विवाह का कौमरी गीत आदि भारतीय संस्कृति से ओत प्रोत प्रस्तुतियां दी और सभी को तालियां बजाने को मजबूर कर दिया। बालिका वर्ग में आठ और महिला वर्ग में ग्यारह टीमों ने प्रतिभाग किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ पूर्व ऊर्जा मंत्री एवं विधायक श्रीकांत शर्मा, समिति पदाधिकारियों एवं अतिथियों द्वारा पं0 दीनदयाल उपाध्याय के चित्रपट के सम्मुख दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम संयोजक रीना सिंह, डॉ0 जमुना शर्मा, सह संयोजक कमलेश चौहान व प्रमिला राजपूत रहीं। संचालन रूबी शाक्य ने किया।

इस अवसर पर रीमा सिसोदिया, पूजा शर्मा, अनीता कुशवाह, पविता कुशवाह, ममता पचौरी, राजकुमारी पाराशर आदि भारी संख्या में महिलाएं उपस्थित रहीं।

चरकुला और मयूर नृत्य ने मचाया धमाल

जनता यूनियन मथुरा । पं. दीनदयाल उपाध्याय स्मृति महोत्सव मेला में ब्रज संस्कृति पर आधारित लोकगीत और नृत्य की धूम मची है। ब्रज का विश्व प्रसिद्ध चरकुला और मयूर नृत्य ने सभी दर्शकों को रोमांचित कर दिया। डांडिया और अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी दर्शक जमकर आनंद ले रहे हैं।

मेला के मुख्य पंडाल में संस्कृति विभाग की ओर से आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों में मथुरा के चरकुला और मयूर नृत्य ने दर्शकों को मोहा। आगरा का भगत गायन, मथुरा का बम रसिया और झांसी का राई लोक नृत्य भी दर्शकों को आनंदित कर रहा है। ब्रज संस्कृति से ओत-प्रोत कार्यक्रमों से जुड़ने के लिए दर्शक भी भारी संख्या में मेला में उमड़ रहे हैं। ऐसे कार्यक्रमों में बच्चे, युवतियां और महिलाएं जमकर उमड़ रही है। मथुरा और अन्य स्थानों से आए कलाकार दर्शकों को भारतीय संस्कृति के साथ लोकगीत और लोकनृत्य से जोड़ रहे हैं। मेला के तीसरे दिन शनिवार को प्रातः गौ पूजन एवं स्वस्थ गौवंश प्रतियोगिता आयोजित की गई। विजेता गौ पालकों को पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश गौ सेवा आयोग सदस्य रमाकांत उपाध्याय पंडित दीनदयाल उपाध्याय पशु चिकित्सा विश्वविद्यालय के चिकित्सकों ने किसानों को मार्गदर्शन किया। गायों के संरक्षण, संवर्धन और बीमारियों से बचाने के उपाय बताए।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के आगमन को लेकर सुदामा कुटी नाभापीठ आश्रम में तैयारियां शुरू

जनता यूनियन मथुरा । राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के आगमन को लेकर बंशीवट स्थित सुदामा कुटी नाभापीठ आश्रम में तैयारियां शुरू हो गई हैं। बताते चलें कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु का 25 सितंबर को मथुरा-वृंदावन में आगमन होगा। वे नई दिल्ली से स्पेशल ट्रेन से छटीकरा स्थित वृंदावन रोड रेलवे स्टेशन पर पहुंचेंगी। वहां से कार द्वारा ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर और यहां से ठाकुर बांकेबिहारी की प्राकट्य स्थली निधिवन जाएंगी। इसके बाद सुदामा कुटी नाभापीठ पहुंचेंगी। तत्पश्चात मथुरा में विश्राम घाट स्थित कुब्जा कृष्ण मंदिर जाएंगी। इसके बाद श्रीकृष्ण जन्मस्थान पहुंचकर दर्शन करेंगी और यहां से वह स्पेशल ट्रेन से ही दिल्ली के लिए रवाना होंगी। सुदामा कुटी नाभापीठ में राष्ट्रपति के आगमन को लेकर नाभापीठाधीश्वर सुतीक्ष्ण दास महाराज ने बताया कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु यहां सर्वप्रथम ठाकुर कौशल किशोर महाराज के दर्शन करेंगी। इसके बाद वह सुदामा दास महाराज की भजन स्थली का लोकार्पण एवं पारिजात कल्पवृक्ष के पौधा का रोपण करेंगी। इसके बाद संतों से मुलाकात और आध्यात्म पर चर्चा करेंगी। साथ ही उन्होंने सभी से राष्ट्रपति के आगमन पर उनकी सुरक्षा व्यवस्था में सहयोग और मर्यादा का पालन करने की अपील की, ताकि यहां का एक अच्छा संदेश जाए।

प्रशिक्षण परिषद के द्वारा शिक्षाविदों की प्रांतीय बैठक

जनता यूनियन मथुरा । विद्या भारती ब्रज प्रदेश की प्रशिक्षण परिषद के द्वारा शिक्षाविदों की प्रांतीय बैठक माधव संवाद केन्द्र पर डॉ. प्रभाष्कर राय की अध्यक्षता में संपन्न हुई . बैठक की प्रस्ताविकी में प्रदेश शिक्षण / प्रशिक्षण प्रमुख डॉ. अजय शर्मा ने कहा कि पूर्व में प्रचलित ÷ प्रशिक्षण टोली ÷ अब केन्द्र की योजनानुसार ÷ प्रशिक्षण परिषद् ÷ के नाम से कार्य करेगी. उन्होंने आयोजित विविध प्रशिक्षण वर्गो की जानकारी प्रस्तुत करते हुए कहा कि प्रशिक्षण के उपरांत क्रियांवयन महत्वपूर्ण है. ये परिषद् अनुवर्तन का कार्य भी करेगी. उन्होंने केन्द्र द्वारा सुझाए गए तीन बिंदुओं - पंचपदीय अधिगम पद्धति, छात्र संख्या वृद्धि और परिणामों की उत्कृष्ट्ता, का भी उल्लेख किया .

प्रस्ताविकी के उपरांत सभी शिक्षाविद् तीन समूहों में बैठे जहॉ समितिओं के अनुसार आगामी कार्य योजना का निर्माण किया गया. इसके बाद निर्मित योजना का सामूहिक सत्र में वाचन किया गया. बैठक में हुए महत्वपूर्ण शैक्षिक संवाद में प्रोफे. (डॉ.) प्रभाष्कर राय , फ़िरोजावाद , डॉ. प्रवीणअग्रवाल प्राचार्य मथुरा, डॉ. प्रवीण सारस्वत प्राचार्य वृंदावन, श्री देवेंद्र सिंह प्रदेश निरीक्षक, श्री सुरेंद्र सिंह गोला पूर्णकालिक, श्री सुभाष कुमार प्रधानाचार्य पीलीभीत, डॉ. रवि शरण चौहान प्रधानाचार्य बरेली, डॉ. राम सेवक मथुरा, श्री नंदलाल प्रधानाचार्य भुतहा बरेली श्रीमती निधि तिवारी प्रधानाचार्य आगरा ने सक्रिय भाग लिया. समापन सत्र में श्री यशवीर सिंह प्रदेश निरीक्षक ने कहा कि विद्यालयों में मासिक प्रशिक्षण होने चाहिए. प्रशिक्षण में सामयिक विषयों और नवीन तकनीकी को भी जोड़ा जाये. बैठक का संचालन श्री विनय कुमार सिंह प्रधानाचार्य मथुरा ने किया.

राष्ट्रीय कवि सम्मेलन में भोर तक जमे रहे श्रोता

जनता यूनियन मथुरा । पं. दीनदयाल उपाध्याय स्मृति महोत्सव मेला में दूसरे दिन शुक्रवार रात को राष्ट्रीय कवियों ने राष्ट्रवाद की अलख जगाई तो श्रोता पूरी रात पंडाल में तालियों की गड़गड़ाहट करते रहे। हास्य व्यंग के साथ महिला सशक्तिकरण और गाय की दुर्दशा भी कविता के माध्यम से श्रोताओं तक पहुंची।

कवि सम्मेलन का शुभारंभ भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष डा. दिनेश शर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष किशन चौधरी, मेला अध्यक्ष सोहनलाल शर्मा, कोषाध्यक्ष नरेंद्र पाठक ने दीनदयाल जी के चित्र के प्रमुख दीप प्रज्ज्वलित करके किया।

इटावा से आए गौरव चौहान ने कहा- भरतवंसी ह्रदय में शेर सा अभिमान बोलेगा, जवानी की जुबानी पर वही यशगान बोलेगा।

फना हो जाएंगे लेकिन कभी खामोश ना होंगे, हमारे खून के कतरों में हिंदुस्तान बोलेगा। कविता सुनकर समूचे पंडाल को तालियों की गड़गड़ाहट से गुंजायमान कर दिया।

सुरेश अलबेला ने कहा - मेरा ये जिस्म गर मिट्टी में मिलता है तो मिल जाए, मैं बाजी हार सकता हूं समर्पण कर नहीं सकता, सुनाकर कर वाहवाही बटोरी।

एटा की योगिता चौहान ने कहा- इस धरती से उस अम्बर तक घर-घर अलग जगानी है, जान हथेली पर रखकर भी हमको गाय बचानी है।

जयपुर के कवि अशोक चारण ने पहलगाम हमले को केंद्र बनाकर काव्य पाठ किया। कहा- खुद को रब का बंदा कहते उनको आई शर्म नहीं, धर्म पूछ-पूछ कर मार रहे हैं उनका कोई धर्म नहीं, सुनाकर श्रोताओं को रोमांचित कर दिया।

मेरठ किनकवियत्री डा. शुभम त्यागी कागीत- पुजारन बन गई तेरी मेरा घनश्याम तू बन जा, निरंतर चल रही हूं मैं मेरा विश्राम तू बन जा को खूब सराहा गया। बनारस की डा. विभा सिंह और शिवांगी प्रेणा ने छंद और मुक्तक पेश किए। धौलपुर के पदम गौतम ने किसानों की पीड़ा को कविता से प्रस्तुत किया।

कवि संयोजक सचिन दीक्षित ने कविता के माध्यम से हिंदुओं की दुर्दशा और जातिवाद को प्रस्तुत किया। कहा- यह हिंदू वीर योद्धा का गौरव गान नहीं करते, राणा सांगा और शिवाजी का सम्मान नहीं करते।

न्यूज ब्रीफ

भारत में दिखाई नहीं देगा सूर्य ग्रहण

जनता यूनियन मथुरा । आश्विन माह की अमावस्या 21 सितंबर रविवार को खंड ग्रास सूर्य ग्रहण भारत के अलावा विश्व के अनेक देशों में दिखाई देगा। इससे पूर्व भाद्रपद पूर्णिमा को खग्रास चन्द्र ग्रहण सम्पूर्ण भारत वर्ष में दिखाई दिया था। पन्द्रह दिन के अन्तराल में दो ग्रहणों का होना देश दुनिया के लिए अत्यन्त ही हानिकारक है। इस सम्बन्ध में श्री दीपक ज्योतिष भागवत संस्थान के निदेशक ज्योतिषाचार्य पंडित कामेश्वर नाथ चतुर्वेदी ने बताया कि आश्विन अमावस्या को उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र शुक्ल योग कन्या राशि के चंद्रमा में यह ग्रहण रात्रि 10 बजकर 59 मिनट से प्रारम्भ होकर रात्रि 03 बजकर 29 मिनट तक लगभग 04 घण्टे तक रहेगा। यह खंड ग्रास सूर्य ग्रहण न्यूजीलैंड, फिजी, आस्ट्रेलिया के दक्षिण भाग तथा अंटार्कटिका आदि कुछ देशों में दिखाई देगा भारत में इस ग्रहण का कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा और सूतक भी नहीं लगेगा।

मिशन शक्ति का पांचवां चरण शुरू, कोतवाली में देखा लाइव प्रसारण

जनता यूनियन मथुरा । मिशन शक्ति के पांचवें चरण के शुभारंभ शुक्रवार को हुआ। जिसका लाइव प्रसारण कोतवाली परिसर में जनप्रतिनिधियों एवं पुलिस अधिकारियों सहित महिलाएं एवं अन्य लोगों ने भी देखा। बताते चलें कि महिला सशक्तिकरण के लिए उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा मिशन शक्ति कार्यक्रम चलाया जा रहा है। मिशन शक्ति के पांचवें चरण के शुभारंभ शुक्रवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा वर्चुअल किया गया। इसका लाइव प्रसारण कोतवाली परिसर में भी दिखाया गया। इस दौरान महिलाओं के अधिकार और उनकी सुरक्षा आदि के प्रति उन्हें जागरुक किया गया। मिशन शक्ति प्रभारी इंस्पेक्टर धर्मेंद्र कुमार ने बताया कि मिशन शक्ति का मुख्य उद्देश्य महिलाओं का सशक्तिकरण है। इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए शासन पूरी तरह से कटिबद्ध है। इसी के तहत अब पांचवां चरण शुरू किया गया है, जो 21 अक्टूबर तक चलेगा।

विविध प्रतियोगिताओं के साथ पंच दिवसीय सांझी महोत्सव संपन्न

जनता यूनियन मथुरा । ब्रज संगीत विद्यापीठ, मथुरा द्वारा गांधी पार्क चौक बाजार स्थित ब्रज संगीत विद्यालय में चल रहे सांझी महोत्सव का समापन समारोह मसानी स्थित ब्रज कला केन्द्र के प्रदर्शनी हॉल में विविध प्रतियोगिताओं और कलाकारों की मंचीय प्रस्तुतियों के साथ संपन्न हुआ। ब्रज संगीत विद्यापीठ के कुलपति एवं अध्यक्ष डॉ. राजेन्द्र कृष्ण अग्रवाल एवं समाजसेवी गजेन्द्र शर्मा द्वारा दीपक गोयल, राजेन्द्र बंसल भगतजी, डॉ. डी. डी. गर्ग आदि के साथ मां सरस्वती के चित्रपट पर पुष्पांजलि एवं दीप-प्रज्ज्वलन कर समारोह का विधिवत् शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर संजय शर्मा, वृषभानु गोस्वामी, उमा शर्मा, बीना गर्ग, जमुना शर्मा, रेणु उपाध्याय, गंगा रानी, शालू अग्रवाल आदि की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

अक्षय पात्र द्वारा बाढ़ प्रभावित परिवारों को राशन किट वितरण

पाँच सौ परिवार होंगे लाभान्वित

जनता यूनियन मथुरा । अक्षय पात्र फाउंडेशन द्वारा शनिवार को अक्रूर गांव स्थित हरिदास कृपा आश्रम में बाढ़ प्रभावित परिवारों को राहत स्वरूप राशन किट वितरित की गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक पं. श्रीकांत शर्मा ने कहा कि अक्षय पात्र फाउंडेशन सदैव आपदा की घड़ी में ब्रजवासियों के साथ खड़ा रहा है। उन्होंने कहा कि संस्था द्वारा जनपद में दी जा रही सेवाएं अद्वितीय और अनुकरणीय हैं। बाढ़ से प्रभावित परिवारों तक शीघ्र राहत पहुँचाना समाजसेवा की दृष्टि से सराहनीय पहल है।

इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ विधायक पं. श्रीकांत शर्मा, अक्षय पात्र फाउंडेशन के प्रमुख श्री अनंतवीर्य दास प्रभु एवं आश्रम के श्रीमहंत हरिदास बाबा जी ने दीप प्रज्वलन कर किया। अक्षय पात्र फाउंडेशन के प्रमुख अनंतवीर्य दास प्रभु ने बताया कि हाल ही में बाढ़ की विभीषिका से जूझ रहे 25 हजार को संस्था की ओर से पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया गया। उन्होंने कहा कि संस्था का लक्ष्य केवल भोजन कराना ही नहीं, बल्कि आपदा से प्रभावित परिवारों के जीवन को राहत और संबल प्रदान करना है। अक्रूर गांव में सौ परिवारों को खाद्य सामग्री किट वितरित की जा रही है तथा कुल पाँच सौ परिवारों को इस राहत अभियान के अंतर्गत लाभान्वित किया जाएगा। राशन किट में आटा, चावल, दाल, तेल, मसाले एवं अन्य आवश्यक खाद्य सामग्री शामिल की गई है, जिससे परिवारों को कुछ समय तक दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति हो सके। इस अवसर पर अक्षय पात्र से जुड़े जितेन्द्र शर्मा, विष्णु सिंह, शीतांश पाठक, अरविन्द तिवारी सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में प्रभावित परिवारों ने इस सहयोग के लिए संस्था एवं अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

पशु चिकित्सा विश्वविद्यालय में प्लास्टिक मुक्त परिसर अभियान प्रारंभ

जनता यूनियन मथुरा । उत्तर प्रदेश पंडित दीनदयाल उपाध्याय पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय एवं गो अनुसंधान संस्थान, मथुरा में विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अभिजित मित्र के कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में आज दिनांक 20 सितंबर, 2025 से 19 अक्टूबर, 2025 तक स्वच्छता अभियान चलाकर, विश्वविद्यालय परिसर को प्लास्टिक मुक्त किया जाएगा। जिसका शुभारंभ आज दिनांक 20 सितंबर 2025 को विश्वविद्यालय के कुलपति द्वारा किया गया । उन्होंने बताया कि प्लास्टिक नॉन डिग्रेडेबल केमिकल का बना होता है जो प्राकृतिक रूप से विघटित नहीं होते और लंबे समय तक पर्यावरण में बने रहते हैं । जिससे प्रदूषण फैलता रहता है। प्लास्टिक, प्रकृति तथा हमारे स्वास्थ्य के लिए अत्यंत हानिकारक है । इसलिए हम सभी को प्लास्टिक के प्रयोग से बचना चाहिए । प्लास्टिक की थैलियों या डिब्बों के स्थान पर हमें जूट, कपड़ा या पेपर के थैलों का प्रयोग करना चाहिए। जिससे हमारी प्रकृति, समाज तथा परिवार स्वस्थ बना रहे। विश्वविद्यालय की जनसंपर्क अधिकारी प्रो. देश दीपक सिंह ने बताया कि कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के समस्त शिक्षक, कर्मचारी तथा छात्र-छात्राओं ने परिसर में फैले हुए प्लास्टिक के पैकेटों, थैलीयो, बोतलों आदि को एकत्रित कर निस्तारित कराया।

ट्रेनों के कोच अटेंड बने अवैध कारोबार के सरगना

■ एक बार फिर पकड़ा कोच अटेंड, साथी भी दबोचा ■ एपी संपर्क क्रांति एक्सप्रेस में कर रहे थे शराब की तस्करी

झाँसी जयूसं। आरपीएफ, जीआरपी और आरपीएफ विंग की टीम ने एपी संपर्क क्रांति एक्सप्रेस के कोच अटेंड व उसके साथी को उस समय गिरफ्तार कर लिया, जब यह लोग दिल्ली से शराब की तस्करी कर रहे थे। इनके पास से शराब की बोतलें बरामद की गई है। गिरफ्तार किए गए दोनों आरोपियों को अदालत में पेश किया। यहां से उनको जेल भेजा गया। पुलिस अधीक्षक रेलवे विपुल कुमार श्रीवास्तव, एएसपी सोहराब आलम के निर्देशन में जीआरपी के थाना प्रभारी राहुल सिंह के नेतृत्व में गठित की गई टीमें स्थानीय रेलवे स्टेशन से गुजरने वाली ट्रेनों में सघन अभियान चला रही है। बीती रात एपी संपर्क क्रांति एक्सप्रेस में दो लोग शराब है। इनके पास दिल्ली व हरियाणा से तस्करी करके लायी जा रही शराब भी है। इस सूचना पर आरपीएफ, जीआरपी और आरपीएफ विंग की टीम सक्रिय हो गई। टीम ने दो लोगों को पिट्ठू बैग समेत पकड़ लिया। उन्हें एकांत लेकर कड़ाई से पूछताछ की। पूछताछ के दौरान शराब की तस्करी करने की बात स्वीकार की है। रेलवे पुलिस के मुताबिक पश्चिम बंगाल के जिला मालदा के मालदा टाउन में रहने वाले सफीउल खान और दिल्ली के थाना सराय के दिल्ली सराय रोहिल्ला करोल बाग के पास रहने वाले सागर तिवारी को गिरफ्तार कर लिया। इनमें सफीउल खान एपी संपर्क क्रांति एक्सप्रेस का कोच अटेंड भी है। इनके पास से चार फुल बोतल और 21 क्वाटर अंग्रेजी शराब बरामद की है। पूछताछ के दौरान उन्होंने बताया कि वह लोग अंग्रेजी शराब की बोतल कम दामों में खरीदकर अधिक दामों में बेच देते है। इससे उन्हें काफी मुनाफा होता है। इसी उद्देश्य से अंग्रेजी शराब की ट्रेन में ले जा रहे थे। इस टीम को मिली है सफलता जीआरपी थाना प्रभारी राहुल सिंह, उपनिरीक्षक बृजेंद्र सिंह, मुख्य आरक्षी पुनीत कुमार, आशुतोष तिवारी, आरपीएफ पोस्ट के उपनिरीक्षक जितेंद्र सिंह यादव, दशरथ सिंह, क्राइम विंग के मुख्य आरक्षी उमेश कुमार, सुरेंद्र सिंह विष्ट, गुरमीत सिंह शामिल रहे हैं।

शातिर चोर गिरफ्तार, चोरी के दो मोबाइल फोन बरामद

झांसी जयूसं। राजकीय रेलवे पुलिस ने शातिर चोर को गिरफ्तार कर लिया। इसके पास से चोरी के दो मोबाइल फोन बरामद किए गए। राजकीय रेलवे पुलिस को सूचना मिली कि जीआरपी फुट ओवर ब्रिज के पास एक युवक खड़ा है। इसके पास चोरी के मोबाइल फोन है। इस सूचना पर गई टीम ने घेराबंदी कर युवक को मय मोबाइल फोन समेत पकड़ लिया। रेलवे पुलिस के मुताबिक शिवपुरी के थाना करैरा के ग्राम फतेहपुर निवासी श्याम सुंदर विश्वकर्मा को गिरफ्तार कर लिया। इसके पास से चोरी के दो मोबाइल फोन बरामद किए गए। गिरफ्तार किए गए आरोपी को अदालत में पेश किया। वहां से उसे जेल भेजा गया।

सांसद झाँसी ललितपुर ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से की मुलाकात, क्षेत्रीय विकास के मुद्दों पर की चर्चा

लेकिन यहां की जनता आज भी बुनियादी सुविधाओं और निवेश की कमी से जूझ रही है। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में इस क्षेत्र के विकास की गति और तेज हो सकती है।

झाँसी जयूसं। झांसी-ललितपुर के सांसद अनुराग शर्मा ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से लखनऊ स्थित उनके आवास पर शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर सांसद के साथ फिक्की फ्लो की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उनकी धर्मपत्नी श्रीमती पूनम शर्मा भी उपस्थित रहीं। मुलाकात के दौरान सांसद ने अपने संसदीय क्षेत्र के सर्वांगीण विकास से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण मुद्दों पर मुख्यमंत्री से चर्चा की और उन्हें ज्ञापन भी सौंपा। सांसद ने कहा कि बुन्देलखण्ड क्षेत्र ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, सांसद ने मुख्यमंत्री का ध्यान विशेष रूप से झांसी में प्रस्तावित ग्रीनफील्ड हवाई अड्डे की दिशा में शीघ्र कदम उठाने की ओर आकर्षित किया। उन्होंने बताया कि भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण द्वारा चिन्हित चार स्थलों पर निरीक्षण के बाद तैयार की गई प्रारम्भिक रिपोर्ट पर जल्द निर्णय आवश्यक है, ताकि क्षेत्र में हवाई सेवाओं का विस्तार हो सके और पर्यटन व औद्योगिक विकास को प्रोत्साहन मिले।

इसके अतिरिक्त सांसद ने झांसी और ललितपुर में 150 से अधिक आबादी वाली बसावटों को मुख्य मार्गों से जोड़ने की योजनाओं को प्राथमिकता देने की आवश्यकता बताई। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क संपर्क की कमी के कारण बच्चे, महिलाएँ, बुजुर्ग और मजदूर वर्ग शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार से वंचित रह जाते हैं। इन योजनाओं की स्वीकृति से आम जनता की जिंदगी आसान होगी और गांव विकास की मुख्यधारा से जुड़ पाएंगे। सांसद श्री शर्मा ने झांसी-मानिकपुर रेल सेक्शन के सम्पार संख्या-369 पर झांसी-ललितपुर मार्ग से होकर जाने वाले 4 लेन उपरिगामी सेतुनिर्माण का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि यह सेतु क्षेत्र के यातायात, सुरक्षा और कनेक्टिविटी के लिहाज से अत्यंत आवश्यक है। सांसद अनुराग शर्मा ने मुख्यमंत्री से आग्रह किया कि इन सभी योजनाओं पर शीघ्र कार्यवाही की जाए, ताकि बुन्देलखण्ड क्षेत्र विशेषकर झांसी-ललितपुर का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित हो सके। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की दूरदृष्टि और संवेदनशीलता सेक्षेत्र की विकास यात्रा और गति पकड़ेगी तथा यहांकी जनता को नए अवसर प्राप्त होंगे।

न्यूज ब्रीफ

स्वस्थ नारी ,सशक्त परिवार अभियान के अंतर्गत महिलाओं की आँखों की गई जाँच

झांसी जयूसं। भारतीय रेल में स्वस्थ नारी –सशक्त परिवार अभियान के अंतर्गत महिलाओं के स्वास्थ्य से जुड़ी विभिन्न गतिविधियाँ निरंतर आयोजित की जा रही हैं। इसी क्रम में आज मंडल रेल प्रबंधक अनिरुद्ध कुमार के निर्देशन में तथा मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. कुलदीप स्वरूप मिश्रा एवं अपर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक –प्रशासन,डॉ. महेन्द्र सिंह यादव के नेतृत्व में महिला नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रगति जैन द्वारा महिलाओं की आँखों की जाँच की गई। उन्होंने आंखों की देखभाल से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी और सलाह दी कि किसी भी प्रकार की नेत्र समस्या होने पर तुरंत विशेषज्ञ चिकित्सक से परामर्श लेना चाहिए। उन्होंने बताया कि समय पर जांच कराने से आँखों की कई गंभीर समस्याओं से बचा जा सकता है। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं को संतुलित खान-पान एवं स्वस्थ जीवनशैली अपनाने से संबंधित सुझाव भी दिए गए। बड़ी संख्या में महिलाओं ने इस सुविधा का लाभ उठाया और अपने स्वास्थ्य से जुड़े प्रश्नों पर परामर्श प्राप्त किया। इस अवसर पर डॉ. प्रगति जैन, दिव्या केरी –नर्सिंग सिस्टर, तथा हरी प्रकाश कुशवाहा –एम.एच.ए., शिवम यादव, कल्याण निरीक्षक की विशेष उपस्थिति रहीं।

मंडल रेल प्रबंधक ने किया विभिन्न विभागों का निरीक्षण

झांसी जयूसं। मंडल रेल प्रबंधक अनिरुद्ध कुमार ने झाँसी मंडल के विभिन्न विभागों का निरीक्षण किया। इस क्रम में उन्होंने वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर (सामान्य), झाँसी के कार्यालय का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कार्यालय में उत्कृष्ट स्वच्छता, व्यवस्थित अभिलेख, सुसज्जित फर्नीचर तथा समग्र रूप से उत्तम कार्यालयी व्यवस्था देखकर मंडल रेल प्रबंधक अत्यंत संतुष्ट हुए। उन्होंने पुराने अभिलेखों को सुव्यवस्थित ढंग से सुरक्षित रखने और कार्यालय की साफ-सफाई बनाए रखने के प्रयासों की सराहना की। कार्यालय की सुंदरता एवं सुसंगठित कार्यप्रणाली को देखते हुए मंडल रेल प्रबंधक ने वरिष्ठ मंडल विद्युत इं. (सामान्य) कार्यालय को दस हजार का सामूहिक पुरस्कार (ग्रुप अवार्ड) प्रदान करने की घोषणा की। मंडल रेल प्रबंधक अनिरुद्ध कुमार ने कहा कि इस प्रकार की कार्यप्रणाली अन्य विभागों के लिए भी प्रेरणादायी है और सभी कर्मचारियों को अपने कार्यस्थल को स्वच्छ एवं व्यवस्थित रखने की दिशा में सतत प्रयासरत रहना चाहिए। यह पुरस्कार कर्मचारियों में उत्साह एवं प्रेरणा का संचार करेगा और भविष्य में और बेहतर कार्य करने हेतु प्रोत्साहित करेगा।

मित्र के स्थान पर परीक्षा देते पकड़े जाने के आरोपी का जमानत प्रार्थना पत्र निरस्त

झांसी जयूसं । अपने मित्र के स्थान पर परीक्षा देते पकड़े जाने के आरोपी का जमानत प्रार्थना पत्र अपर सत्र न्यायाधीश (एफ.टी.सी.)कनिष्क सिंह के न्यायालय ने निरस्त कर दिया। सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता ज्ञान स्वरूप (पिंटू)राजपूत के अनुसार वादी मुकदमा वीरेन्द्र कुमार ने 06 सितंबर 2025 को थाना सीपरी बाजार में तहरीर देते हुए बताया था कि राजकीय पॉलीटेक्निक में अधीनस्थ चयन आयोग उ.प्र. द्वारा आयोजित प्रारम्भिक अहर्ता परीक्षा 2025 के प्रथम पाली की परीक्षा के दौरान पवन साहू के स्थान पर मो.इलियास पुत्र मो.अब्बास अली निवासी ग्राम व पोस्ट अमौली थाना चौबेपुर जिला वाराणसी को परीक्षा देते समय गिरफ्तार किया गया था। तहरीर के आधार पर थाना सीपरी बाजार में धारा-319(2),318(4),338, 340(2), 61(2) बी.एन.एस. 4धारा-2 (झ), 13(2) उ.प्र.सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित संसाधनों का निवारण) के तहत मुकदमा दर्ज किया गया। उक्त मामले में अभियुक्त मोहम्मद इलियास की ओर से प्रस्तुत जमानत प्रार्थना पत्र पर सुनवाई उपरांत पर्याप्त आधार नहीं पाते हुए न्यायालय द्वारा जमानत प्रार्थनापत्र निरस्त कर दिया गया।

दुर्गा उत्सव महासमिति करेगी पूजा पंडालों को पुरस्कृत, शहर में राम बरात का करेगी स्वागत

डांडिया महोत्सव में आधार कार्ड को देख कर दी जाए एंट्री

झांसी जयूसं। दुर्गा उत्सव महासमिति प्रशासन की गाइडलाइन का पालन करने वाले भव्य पूजा पंडालों को पुरस्कृत करेगी। शहर में राम बरात का भी भव्य स्वागत करेंगी। इसी के साथ ही समिति ने डांडिया उत्सव आयोजित करने वाले आयोजकों से अपील की है कि वे उत्सव में आधार कार्ड देखकर ही लोगों को शामिल करें। अन्यथा की स्थिति में प्रशासन और समिति किसी भी तरह की जिम्मेदारी नहीं लेगी।

एक स्थानीय होटल में आयोजित पत्रकार वार्ता में कार्यकारी अध्यक्ष पूर्व केन्द्रीय मंत्री प्रदीप जैन आदित्य, महासमिति अध्यक्ष पुरुषोत्तम स्वामी, महामंत्री विनोद अवस्थी, शोभायात्रा संयोजक पीयूष रावत ने संयुक्त रूप से समस्त दुर्गा उत्सव समितियों से अपील की, कि वह अपने पंडालों में सीसीटीवी कैमरे अवश्य लगाये। इसके साथ ही अग्निशमन यंत्र भी र ख े। महासमिति ने सभी दुर्गा उत्सव समितियों से प्रशासन क ी गाइडलाइन का पालन करने की अ प ी ल की।इसके साथ ही महासमिति ने मोबाइल नंबर भी जारी किए हैं, जो विभिन्न दुर्गा पंडाल समितियों की समस्याओं के निस्तारण के लिए तत्पर रहेंगे। पदाधिकारियों ने कहा कि समस्त दुर्गा उत्सव समितियों को एक रोस्टर रजिस्टर बनाना होगा। जिसे पुलिस सुरक्षा सम्बन्धी आवश्यक रात्रि गश्त के दौरान देखेंगी। समस्त दुर्गा उत्सव समिति पंडालों में अग्निशमन यंत्र जरूर रखे। डीजे संचालकों को भी अवगत कराया जाता है, कि डीजे मानक अनुसार ही बजाये। पदाधिकारियों ने बताया कि महासमिति ने इस बार मोबाइल नंबर +8009227333,9936453332, 8840411462,9415505600,9115030770, 8115429580 जारी किए हैं, जो विभिन्न दुर्गा पंडाल समितियां की समस्याओं के निस्तारण के लिए हर समय हाजिर रहेगे। जो भी दुर्गा उत्सव समिति परंपरागत संस्कृति और पारंपरिक वाद्य यंत्रों का इस्तेमाल करेगी, उन समितियां को महासमिति द्वारा प्रोत्साहित किया जाएगा। महासमिति शहर में राम बरात का भव्य स्वागत करेगी। राम बरात रामलीला मंच बड़ा बाजार से निकलेगी। पदाधिकारियों ने प्रशासन से मांग की कि प्रतिमा आगमन एवं विसर्जन शोभा यात्रा मार्गों पर सड़कों को दुरस्त किया जाये। रात्रि में बिजली की कटौती न हो। सभी मंदिरों व पूजा पंडालों पर पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था हो। पदाधिकारियों ने बताया कि इस संबंध में जिला प्रशासन को ग्यापन दिया जायेगा। इस अवसर पर कोषाध्यक्ष ओम प्रकाश त्रिपाठी, अरविंद वशिष्?ठ,आशीष उपाध्याय ,डॉ रघुवीर चौधरी,महेश सर्राफ ,मैथिली मुदगिल ,गोकुल दुबे, रोहित पांडे, मुकेश अग्रवाल, रवीश त्रिपाठी,अलोक सैंडेलिय,अजय मिश्रा ,नरेश गुप्?ता राजू, उदय सोनी, आलोक चतुर्वेदी, अमित चिरवारिया,पीयूष नायक, विजय पहाड़िया जयदेव शिवहरे अजय पुरवार ,संजय अग्रवाल ,डॉ.विवेक बाजपेई,अमर सिद्ध,जगदीश बजाज, ओमप्रकाश त्रिपाठी, जयदीप खरे, सत्?येंद्रपुरी गोस्?वामी ,अभिषेक साहू, मुकेश सोनी ,अरविंद झा,प्रवीण लखेरा, संजीव तिवारी, विवेक गोस्वामी,महेंद्र भंडारी, पवन गुप्ता, मार्तंड स्वामी, पुरुकेश अमरया, संजय छत्रसाल खटीक, प्रशांत रिछारिया,अमित रावत,राजीव तिवारी, अतुल मिश्रा, प्रभात शर्मा, सूर्य प्रकाश अग्रवाल, मुकेश सिंघल , एड. विवेक बाजपेई , एड.हेमंत राव, राहुल साहू ,प्रहलाद साहू, विकासअवस्थी ,भूपेंद्र रायकवार आदि उपस्थित रहे। सभी का आभार शोभा यात्रा संयोजक पीयूष रावत ने व्यक्त किया।

इंटरनेशनल फॉरेंसिक साइंस वीक एवं एंटी रैगिंग अवेयरनेस वीक 2025 का समापन

झाँसी जयूसं। आज बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के फॉरेंसिक विज्ञान विभाग में इंटरनेशनल फॉरेंसिक साइंस वीक एवं एंटी रैगिंग अवेयरनेस वीक 2025 के संयुक्त समापन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. मुकेश पाण्डेय ने की। उन्होंने अपने उद्बोधन में बताया कि विभाग में वर्तमान समय में देश के 24 राज्यों के विद्यार्थी अध्ययनरत हैं, जो विभाग की शैक्षणिक उपलब्धि का प्रमाण है। इस अवसर पर उन्होंने विभागाध्यक्ष को बधाई देते हुए इसी प्रकार उत्कृष्ट कार्य करते रहने की प्रेरणा दी। मुख्य कुलानुशासक प्रो. आर. के. सैनी ने विद्यार्थियों को एंटी रैगिंग संबंधी नियमों और उनके महत्व से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि 12 अगस्त से 18 अगस्त तक विश्वविद्यालय स्तर पर एंटी रैगिंग वीक के अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं। संकायाध्यक्ष ने विभाग में आयोजित गतिविधियों की जानकारी साझा की। विभागाध्यक्ष डॉ. विजय कुमार यादव ने सभी अतिथियों का स्वागत किया तथा फॉरेंसिक वीक के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रमों का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. राजेश सिंह, एडिशनल डायरेक्टर, फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी, जयपुर ने विद्यार्थियों को आधारित क्राइम सीन इन्वेस्टिगेशन के विषय में जानकारी दी तथा महत्त्वपूर्ण साक्ष्य प्रस्तुत करते हुए छात्रों में फॉरेंसिक साइंस के प्रति गहन रुचि एवं जागरूकता उत्पन्न की। बेसिक शिक्षा अधिकारी विपुल शिव सागर ने भी विभाग को शुभकामनाएँ दीं और ऐसे कार्यक्रमों को विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक बताया। कार्यक्रम के अंत में फॉरेंसिक वीक एवं एंटी रैगिंग वीक के अंतर्गत आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर विशेष रूप से डॉ. प्रकाश चन्द्र, डॉ. शुभांगी निगम, डॉ. आकाश कुमार, डॉ. मुरली मनोहर यादव, चंदन नामदेव, डॉ. ममता सिंह, डॉ. ज्योति मिश्रा, डॉ. प्रशांत मिश्रा तथा डॉ. संतोष पांडे उपस्थित रहे।

जेआरजेके एकेडमी का वार्षिकोत्सव हुआ सम्पन्न

झाँसी जयूसं। पंचवटी स्थित एक विवाह घर में शुक्रवार को जेआरजेके एकेडमी का वार्षिक समारोह पूरे हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न हुआ। इस समारोह में मुख्य अतिथि डॉ.संदीप सरावगी व विशिष्ट अतिथि के रूप में विजय पहारिया उपस्थित रहे, जिनका शिक्षकों, निदेशकों और विद्यार्थियों ने गर्मजोशी से स्वागत किया। कार्यक्रम की शुरुआत एकेडमी के निदेशक प्रदीप राय और रीना राय द्वारा अतिथियों के सम्मान के साथ हुई। इसके बाद एकेडमी की प्रधानाचार्या स्वाति गौड़ ने विद्यालय की उपलब्धियों और आगामी योजनाओं की जानकारी दी। मुख्य अतिथि डॉ. संदीप सरावगी ने कहा कि विद्यालय समाज का निर्माण करता है और बच्चों की शिक्षा व संस्कार से ही राष्ट्र प्रगति की ओर अग्रसर होता है। समारोह के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया, जिससे उनके मनोबल में वृद्धि हुई। इस अवसर पर प्रवेंद्र सिंह,संदीप नामदेव,अनुज प्रताप सिंह, राकेश अहिरवार, राजू सेन, दीक्षा साहू, मुस्कान विश्वकर्मा आदि उपस्थित रहे।

उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो में झांसी के कठिया गेहूँ, मूंगफली की लगेगी प्रदर्शनी

■ कृषि विपणन एवं कृषि विदेश व्यापार निदेशालय के स्टाल पर दिखेंगे झांसी के प्रोडक्ट

■ उद्यमियों और नवाचारियों को इंटरनेशनल प्लेटफार्म देने के लिए योगी सरकार का विशेष आयोजन

■ 25 से 29 सितंबर तक नोएडा में होने वाले आयोजन में झांसी के एग्रो प्रोडक्ट एक्सपोर्ट काउंटर पर रहेंगे मौजूद

झांसी जयूसं। उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो में इस बार झांसी के कृषि आधारित उत्पादों को भी प्रदर्शित किया जाएगा। नोयडा एक्सपो मार्ट में 25 से 29 सितंबर तक होने जा रहे इस ट्रेड शो में उत्तर प्रदेश के साथ ही देश-दुनिया के उद्यमी भी हिस्सा लेंगे। ट्रेड शो में प्रदेश सरकार का कृषि विपणन विभाग भी हिस्सा लेगा और झांसी सहित पूरे प्रदेश के कृषि आधारित उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देने के मकसद से प्रदर्शित करेगा। योगी सरकार की इस पहल के माध्यम से कृषि आधारित उद्यमियों और नवाचारियों को भी बड़ा प्लेटफार्म उपलब्ध हो रहा है।

झांसी के कठिया गेहूँ को कुछ समय पूर्वजीआई टैग हासिल हुआ है और इससे दलिया, आटा जैसे प्रोडक्ट तैयार हो रहे हैं। दलिया, आटा और कठिया गेहूं की पैकेजिंग तैयार की जा रही है। उत्तर प्रदेश सरकार के कृषि विपणन एवं कृषि विदेश व्यापार निदेशालय के स्टाल पर झांसी का यह उत्पाद प्रदर्शित किया जाएगा जिससे इसके एक्सपोर्ट को प्रोत्साहित किया जा सके। इसके अलावा झांसी की मूंगफली को भी स्टाल पर प्रदर्शित किया जाएगा।

झांसी के ज्येष्ठ कृषि विपणन निरीक्षक प्रखर कुमार ने बताया कि उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो में प्रदेश भर के कृषि आधारित उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए प्रदर्शित किया जाएगा। इस स्टाल पर झांसी के कठिया गेहूं और मूंगफली को भी प्रदर्शित किया जाएगा। झांसी के इन दोनों उत्पादों की राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बन रही है और इन निर्यात को प्रोत्साहन देकर किसानों को इसका लाभ दिलाने का प्रयास किया जा रहा है।

शरीर में जमा विषैले तत्वों को बाहर निकालने में लाभकारी मोरिंगा

■ रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में सहायक ■ दूध से ज्यादा कैल्शियम व केले से अधिक पोटैशियम

नई दिल्ली, (एजेंसियां)। सहजन, जिसे ड्रमस्टिक या मोरिंगा के नाम से भी जाना जाता है, भारत की धरती पर उगने वाला एक साधारण-सा पेड़ है, लेकिन इसके औषधीय गुण इसे असाधारण बनाते हैं। इसे पूरी दुनिया में 'मिरेकल ट्री' के नाम से भी जाना जाता है, क्योंकि इसकी पत्तियां, फलियां, फूल, बीज और छाल सभी किसी न किसी औषधीय गुण से भरपूर हैं।

आयुर्वेद में सहजन का उपयोग प्राचीन काल से विभिन्न रोगों के उपचार में किया जाता रहा है। यह पेड़ न केवल स्वाद बढ़ाने वाला है, बल्कि सेहत की सुरक्षा का भी बड़ा साधन है।

सहजन को कफ-नाशक और वातहर माना गया है। यह शरीर में जमा विषैले तत्वों को बाहर निकालने में मदद करता है। इसकी पत्तियां और फलियां पाचन को दुरुस्त रखने, रक्त को शुद्ध करने और रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में सहायक हैं। सहजन की खासियत यह है कि इसमें अन्य सब्जियों और फलों की तुलना में कई गुना अधिक पोषक तत्व पाए जाते हैं। उदाहरण के लिए, इसमें संतरे की तुलना में सात गुना अधिक विटामिन सी और गाजर से चार गुना अधिक विटामिन ए पाया जाता है। इसके अलावा, इसमें दूध से ज्यादा कैल्शियम और केले से अधिक पोटैशियम होता है। यही वजह है कि सहजन को "ट्री ऑफ लाइफ" भी कहा जाता है। सहजन में एंटी-कैंसर गुण भी पाए जाते हैं। सहजन का पाउडर या बीजों का सेवन शरीर से विषैले तत्वों को बाहर निकालकर रक्त शुद्धिकरण करता है। इसके अतिरिक्त, यह शरीर को एनर्जी देने और थकान दूर करने में भी कारगर है।

सहजन का नियमित सेवन पाचन तंत्र को मजबूत करता है, ब्लड शुगर लेवल को नियंत्रित रखता है और वजन घटाने में भी मदद करता है। यही नहीं, इसमें मौजूद विटामिन बी6 मस्तिष्क को सक्रिय रखने और मानसिक स्वास्थ्य सुधारने में भी सहायक है।

आयुर्वेद में सहजन के कई घरेलू नुस्खों का उल्लेख मिलता है। सहजन की पत्तियों का रस प्रतिदिन 1-2 चम्मच लेने से रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है और मौसमी बीमारियों से बचाव होता है। सहजन की फलियों की सब्जी खाने से पाचन शक्ति मजबूत होती है और ब्लड शुगर नियंत्रित रहता है।

त्वचा का रंग निखारने में फायदेमंद गिलोय

नई दिल्ली। हर कोई दमकती और बेदाग त्वचा चाहता है, लेकिन बढ़ते प्रदूषण, बदलती लाइफस्टाइल और केमिकल से भरे प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल त्वचा की प्राकृतिक चमक को धीरे-धीरे खत्म कर देता है। आयुर्वेद में एक ऐसा चमत्कारी पौधा है, जो त्वचा की खोई हुई चमक को वापस लाने में मदद कर सकता है। आयुर्वेद में गिलोय को त्वचा के लिए वरदान माना गया है, जिसे संस्कृत में 'अमृता' कहा जाता है। गिलोय को आयुर्वेद में कई बीमारियों के इलाज में इस्तेमाल किया जाता है, लेकिन इसका उपयोग सिर्फ सेहत के लिए ही नहीं, बल्कि त्वचा की खूबसूरती को बढ़ाने में भी बेहद फायदेमंद है।

टीवी उद्योग में हफ्ते में एक दिन की छुट्टी जरूरी : नायरा बनर्जी

मुंबई, (एजेंसियां)। टीवी और फिल्म इंडस्ट्री की जानी-मानी एक्ट्रेस नायरा बनर्जी ने टीवी उद्योग के थकाऊ वर्क कल्चर पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने बताया कि कैसे लंबे समय तक शूटिंग करने से कलाकारों की सेहत, नींद और परफॉर्मेंस पर असर पड़ता है।

नायरा बनर्जी ने कहा है कि एक्टर्स को अच्छा काम तभी मिल सकता है जब वे मानसिक और शारीरिक रूप से स्वस्थ रहें। हफ्ते में एक दिन की छुट्टी या कम से कम आधे दिन का ब्रेक जरूरी होना चाहिए ताकि कलाकार अपने परिवार, निजी जिंदगी और खुद के लिए समय निकाल सकें। उन्होंने बताया कि बिना आराम के कोई भी कलाकार अपने किरदार को पूरी ऊर्जा और भावनाओं के साथ नहीं निभा सकता। नायरा बनर्जी ने कहा कि टीवी इंडस्ट्री में 15-15 घंटे की शूटिंग आम बात है, जो बेहद थकाऊ होती है। जब भी मैं कोई नया शो साइन करती हूं, तो पहले ही यह तय कर लेती हूं कि हफ्ते में कम से कम एक दिन की छुट्टी जरूर मिले। मैं चाहती हूं कि काम और जिंदगी के बीच एक संतुलन बना रहे, ताकि न सिर्फ मेरा प्रोफेशनल काम अच्छा हो बल्कि मेरी पर्सनल लाइफ भी ठीक चले। अगर एक्टर्स को खुद के लिए समय नहीं मिलेगा, तो नतीजे उनके काम और सेहत दोनों पर नजर आएंगे। जब उनसे पूछा गया कि क्या वह इस समय कोई टीवी शो करना चाहेंगी, तो उन्होंने कहा कि हां, लेकिन सिर्फ अपनी शर्तों पर। अगर रोल दमदार हो, शूटिंग की जगह पास में हो जैसे कि फिल्म सिटी, डायरेक्टर अच्छा हो, चैनल भरोसेमंद हो, और मेहनताना ठीक-ठाक हो, तो मैं शो करने के लिए तैयार हूं।

सिंगर जुबीन गर्ग का निधन, संगीत जगत में शोक की लहर

नई दिल्ली, (एजेंसियां)। सिंगर और म्यूजिक कंपोजर जुबीन गर्ग का निधन हो गया है। उन्होंने अपने करियर में कई शानदार गाने गाए, जिसे लोगों ने काफी पसंद किया। उनकी आवाज में वो जादू था, जो हर किसी को अपना दीवाना बना देता था। उनके निधन की खबर से संगीत जगत में शोक की लहर दौड़ गई है। पूर्व सांसद और असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष रिपुन बोरा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि हमारे सांस्कृतिक प्रतीक जुबीन गर्ग के असमय निधन से गहरा सदमा और शोक हुआ। उनकी आवाज, संगीत और अटूट जोश ने असम और उससे परे कई पीढ़ियों को प्रेरित किया। उनके परिवार, प्रशंसकों और प्रियजनों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदनाएं। जुबीन गर्ग न सिर्फ बेहतरीन गायक थे, बल्कि अभिनेता, संगीतकार, निर्देशक, निर्माता और पटकथा लेखक भी थे। असमिया संगीत जगत में उनका नाम काफी प्रभावशाली था। उन्होंने कन्नड़, कार्बी, मलयालम, मराठी, नेपाली, उड़िया, संस्कृत, सिंधी, तमिल, और तेलुगु समेत कई भाषाओं में संगीत दिया और फिल्मों में अभिनय किया।

उनकी खासियत यह थी कि उनकी आवाज में एक अलग तरह की उर्जा थी, जो सीधे दिल तक पहुंचती थी। जुबीन गर्ग ने हिंदी फिल्मों के साथ-साथ असमिया और बंगाली फिल्मों में भी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। उनके संगीत की लोकप्रियता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि उन्होंने कई सुपरहिट गाने दिए, जिनमें 'गैंगस्टर' का 'या अली' और ऋतिक रोशन की 'कृष 3' फिल्म का 'दिल तू ही बता' जैसे गाने शामिल हैं। जुबीन गर्ग को उनके संगीत और फिल्मों के लिए कई पुरस्कार मिले। 2009 में उन्हें 55वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार में सर्वश्रेष्ठ संगीत निर्देशन के लिए सम्मानित किया गया। इसके अलावा, उन्होंने कई क्षेत्रीय और राष्ट्रीय स्तर के पुरस्कार भी प्राप्त किए, जिनमें स्क्रीन अवार्ड्स, फिल्मफेयर पुरस्कार, आईफा पुरस्कार और कई अन्य सम्मान शामिल हैं।

नाक का सूखना सांस लेने की खतरे का संकेत

समय पर इलाज न होने से हो सकती है सुनने की समस्या

नाक सूखने का सीधे असर से यूस्टेशियन ट्यूब हो सकती है ब्लॉक

नई दिल्ली, (एजेंसियां)। नाक और कान के बीच गहरा संबंध है क्योंकि दोनों ही आपस में यूस्टेशियन ट्यूब के माध्यम से जुड़े होते हैं। यह ट्यूब नाक और कान के बीच नमी और दबाव का संतुलन बनाए रखने का काम करती है। यदि नाक अधिक सूखी रहती है तो इसका असर सीधे सुनने की क्षमता पर भी पड़ सकता है।

नाक सूखने के कई कारण होते हैं। इनमें मुख्य हैं लंबे समय तक धूल, धुआं और प्रदूषण के संपर्क में रहना, सर्दियों या गर्मियों में नमी की कमी, एलर्जी या सर्दी-जुकाम, फंगल व बैक्टीरियल इंफेक्शन, कुछ दवाओं का अत्यधिक उपयोग, उम्र बढ़ने के कारण शरीर में नमी की कमी और शरीर में तरल पदार्थों की कमी। इसके अलावा डायबिटीज या ऑटोइम्यून डिजीज जैसी बीमारियां भी नाक के सूखने की समस्या को बढ़ा सकती हैं।

नाक सूखने के सीधे असर से यूस्टेशियन ट्यूब ब्लॉक हो सकती है। इससे कान के मध्य भाग में हवा का संतुलन बिगड़ जाता है और कानों में दबाव या दर्द महसूस हो सकता है। कई बार कान के भीतर तरल पदार्थ भी जमा होने लगता है, जिससे संक्रमण, कान बहना या सुनने में दिक्कतें पैदा होती हैं। इस स्थिति में व्यक्ति को कान में सीटी जैसी आवाजें, चक्कर आना या अस्थायी बहरेपन की शिकायत हो सकती है।

नाक सूखने से बचाव के उपाय

नाक सूखने से बचाव के लिए नमी बनाए रखना जरूरी है। इसके लिए भाप लेना, सलाइन वॉटर का प्रयोग करना, दिनभर पर्याप्त मात्रा में पानी पीना और शुद्ध घी या तिल का तेल नाक पर लगाना फायदेमंद होता है। आयुर्वेद में अणु तेल और षडबिंदु तेल का उल्लेख मिलता है, जिन्हें प्रतिदिन 2-2 बूंद नाक में डालना न केवल नाक में नमी बनाए रखता है बल्कि एलर्जी जैसी समस्याओं से भी बचाव करता है। वहीं, भीड़भाड़ वाले या प्रदूषित इलाकों में जाते समय मास्क पहनना और धूल से बचाव करना चाहिए।

यदि नाक सूखने की वजह से सुनने की क्षमता प्रभावित हो रही हो या कान में लगातार दबाव और दर्द महसूस हो रहा हो, तो तुरंत ईएनटी विशेषज्ञ से जांच करानी चाहिए। इसके लिए ऑडियोमेट्री या एंडोस्कोपी जैसे टेस्ट किए जा सकते हैं। समय पर इलाज न कराने पर यह समस्या बढ़कर और गंभीर हो सकती है।

इसलिए यह समझना बेहद जरूरी है कि नाक का सूखना केवल सांस लेने की असुविधा नहीं है, बल्कि यह आपके कानों और सुनने की क्षमता के लिए भी खतरे का संकेत हो सकता है। सही समय पर सावधानी और उपचार लेकर इससे आसानी से बचा जा सकता है।

ज्वैलर ने बनाई प्रधानमंत्री मोदी की तस्वीर

'कमल' के निशान वाली खास अंगूठी

भावनगर, (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को गुजरात के भावनगर में रोड शो और विकास कार्यक्रमों में शामिल होंगे। इस अवसर पर, स्थानीय ज्वैलर जय सोनी ने शुद्ध चांदी से बनी एक खूबसूरत अंगूठी तैयार की है, जिसमें पीएम मोदी की तस्वीर है। उन्होंने इस अंगूठी को प्रधानमंत्री को देने की इच्छा व्यक्त की है।

उन्होंने शुद्ध चांदी से एक खूबसूरत अंगूठी बनाई है। वह इस अंगूठी प्रधानमंत्री को भेंट करना चाहते हैं। जयभाई सोनी महाशक्ति ज्वेलर्स के मालिक हैं। जयभाई सोनी अपनी कलाकारी के लिए भावनगर में प्रसिद्ध हैं। उन्होंने कुछ महीने पहले क्रिकेटर विराट कोहली के लिए चांदी का एक छोटा विश्व कप बनाया था। इसके बाद उन्होंने चांदी की अंगूठी पर श्रीराम मंदिर भी बनाया था।

उन्होंने अब प्रधानमंत्री की छवि वाली अंगूठी बनाई है। उन्हें अंगूठी बनाने में 15 दिनों से ज्यादा का समय लगा, जिसमें कंप्यूटर वर्क और अन्य कार्य भी शामिल हैं। शहर के लोग भी उनके प्रयास की सराहना कर रहे हैं।

जयभाई सोनी ने बताया कि इस अंगूठी को 20 सितम्बर को प्रधानमंत्री जब भावनगर आएंगे तो उनसे मिलकर उन्हें देना है। उनकी प्रेरणा से प्रेरित होकर मैंने यह बनाया है। उन्होंने बताया कि इस अंगूठी में 2014 लिखा है, जब नरेंद्र मोदी पहली बार प्रधानमंत्री बने थे। इस अंगूठी में भाजपा का चुनाव चिह्न कमल भी बना है, जो देखने में काफी खूबसूरत लगता है। इसके साथ ही अंगूठी में 'मोदी की गारंटी' भी उकेरा गया है।

इससे पहले अहमदाबाद के प्रकाशक अपूर्व शाह ने भी प्रधानमंत्री मोदी के जीवन पर आधारित एक खास 'कटआउट बुक' बनाया था। यह प्रधानमंत्री मोदी के जीवन और उनकी दिनचर्या पर आधारित था। इसकी कीमत 250 रुपए और वजन 180 ग्राम है, जबकि लंबाई 11 इंच है। यह पुस्तक लखनऊ के हजरतगंज स्थित बलरामपुर गार्डन में लगे राष्ट्रीय पुस्तक मेले में काफी लोकप्रिय हुई थी।

वैज्ञानिक सनातन ने अमेरिकी रिपोर्ट की कड़ी आलोचना की

नई दिल्ली। वैज्ञानिक सनातन ने हाल ही में आई अमेरिकी रिपोर्ट की कड़ी आलोचना की है, जिसमें पहली बार भारत को फेंटानिल प्रीकर्सर केमिकल्स के स्रोत देशों में शामिल किया गया है। संगठन ने इन आरोपों को 'तथ्यात्मक रूप से गलत, राजनीतिक रूप से प्रेरित और भारत की विश्व स्तर पर सम्मानित फार्मास्यूटिकल इंडस्ट्री पर हमला' बताया है। 'फेंटानिल संकट एक विशुद्ध रूप से अमेरिकी त्रासदी है, जो घरेलू कुप्रबंधन, कॉर्पोरेट लालच और नीतिगत विफलताओं का परिणाम है,' वैज्ञानिक सनातन के संस्थापक हेमंत दीक्षित ने कहा। 'भारत पर दोषारोपण करना न केवल अन्यायपूर्ण है, बल्कि भ्रामक भी है। हमारी फार्मास्यूटिकल इंडस्ट्री, जिसे 'फार्मेसी ऑफ द वर्ल्ड' कहा जाता है, दुनिया के सबसे सख्त नियामक ढांचों के तहत संचालित होती है।

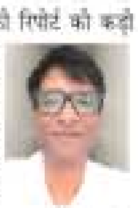

कृष्ण लीला एक दिव्य यात्रा में बच्चों ने दी मनमोहक प्रस्तुति

ग्रेटर नोएडा, (एजेंसियां)। दिल्ली पब्लिक स्कूल, नॉलेज पार्क-पांच में 'कृष्ण लीला-एक दिव्य यात्रा' नामक भव्य संगीत-नाट्य उत्सव का आयोजन उल्लास के साथ आयोजित हुआ। यह अनुपम सांस्कृतिक प्रस्तुति प्री-प्राइमरी विंग के प्रेप वर्ग के बाल-विद्यार्थियों द्वारा मंचित की गई, जिन्होंने अपनी कोमल किंतु प्रभावपूर्ण अभिव्यक्ति से सम्पूर्ण वातावरण को भाव-विभोर कर दिया। नन्हें-मुन्नों के मनोहर नृत्य-नाट्य, मधुर स्वर-पाठ तथा सजीव अभिनय ने श्रीकृष्ण की बाल-लीलाओं एवं जीवन प्रसंगों को इस प्रकार जीवन्त कर दिया कि दर्शकगण श्रद्धा, भक्ति और आनंद से अभिभूत हो उठे। उनके भोलेपन से परिपूर्ण अभिनय ने सभा-कक्ष को आध्यात्मिक आभा और सांस्कृतिक दिव्यता से आलोकित कर दिया। अभिभावकों की

स्नेहपूर्ण उपस्थिति और उत्साहपूर्ण सहभागिता ने इस अवसर को और भी स्मरणीय एवं ऐतिहासिक बना दिया। इस अवसर सचिन कुमार पांडेय, कार्यकारी निर्माता, टीवी 9 भारतवर्ष, डॉ. आर्येन्द्र प्रताप सिंह, विख्यात समाचार-वाचक, दूरदर्शन, तथा पंडित प्रशांत मलिक, राष्ट्रीय पुरस्कार से अलंकृत एवं प्रख्यात भारतीय शास्त्रीय संगीताचार्य। कार्यक्रम के समापन पर विद्यालय की मुख्य अध्यापिका ने बच्चों की प्रस्तुति की सराहना करते हुए कहा कि हमारे नन्हे विद्यार्थियों ने भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं को जिस सादगी, मधुरता और आस्था के साथ मंच पर प्रस्तुत किया है।

एक सोच साथिया फाउंडेशन ने 'शिक्षा सबके लिए' संगोष्ठी एवं सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया

नई दिल्ली, (एजेंसियां)। एक सोच साथिया फाउंडेशन (ईएसएसएफ) ने 'शिक्षा सबके लिए' विषय पर संगोष्ठी एवं भव्य सांस्कृतिक संध्या का आयोजन एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफिसर्स इंस्टीट्यूट, सफदरजंग एयरपोर्ट, नई दिल्ली के कन्वेंशन हॉल में किया। कार्यक्रम में भारत सरकार के सीबीआईसी सदस्य श्री योगेन्द्र गर्ग तथा दिल्ली जोन के चीफ कमिशनर मनीष कुमार मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। एक सोच साथिया फाउंडेशन ने शिक्षा और सशक्तिकरण के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कदम आगे बढ़ाया है। फाउंडेशन के निदेशक जगदीश लाल सहगल ने बताया कि इस वर्ष 42 मेधावी और विशेष छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान की गई, जो पिछले वर्ष की तुलना में लगभग दोगुना है। उन्होंने कहा कि यह पहल वंचित वर्ग के बच्चों को शिक्षा के माध्यम से सशक्त बनाने की दिशा में एक अहम कदम है। सांस्कृतिक संध्या में भरतनाट्यम नृत्य, तबला वादन और गीत-संगीत की प्रस्तुतियों ने दर्शकों को भारतीय कला-संस्कृति की विविधता और गहराई का अनुभव कराया।

रहस्यमयी मंदिर, जहां श्राद्ध व तर्पण से मिलता है गयाजी जैसा पुण्य

तमिलनाडु, (एजेंसियां)। पितृ श्रद्धा और तर्पण की परंपरा भारतीय संस्कृति में अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जाती है। दक्षिण भारत में इसके लिए तमिलनाडु का तिलतर्पणपुरी सबसे पवित्र स्थलों में गिना जाता है। मान्यता है कि यहीं पर भगवान राम ने अपने पितरों की शांति के लिए पूजा-अर्चना की थी। इस स्थान की विशेषता यह भी है कि यहां स्थित आदि विनायक मंदिर देश का एकमात्र ऐसा मंदिर है, जहां भगवान गणेश का स्वरूप मानव मुख वाला है, गजमुख नहीं। इस अद्वितीय स्वरूप को देखने के लिए हजारों श्रद्धालु यहां प्रतिवर्ष आते हैं।

पौराणिक कथा के अनुसार, जब भगवान राम अपने पिता दशरथ का श्राद्ध कर्म कर रहे थे, तो उनके द्वारा बनाए गए चावल के पिंड बार-बार कीड़ों में बदल जाते थे। इस विचित्र स्थिति से परेशान होकर राम ने भगवान शिव से प्रार्थना की। तब भोलेनाथ ने उन्हें तिलतर्पण पुरी स्थित आदि विनायक मंदिर में पूजा करने का निर्देश दिया।

राम ने यहां आकर अनुष्ठान किया, जिसके बाद वे चार पिंड चार शिवलिंग में परिवर्तित हो गए। आज ये शिवलिंग पास ही स्थित मुक्तेश्वर मंदिर में विराजमान हैं। यही कारण है कि यहां आज भी मंदिर के भीतर ही पितृ शांति का अनुष्ठान होता है, जो सामान्यतः नदी तटों पर किया जाता है। इस स्थान को तिल और तर्पण से जोड़कर तिलतर्पण पुरी नाम दिया गया है। यहां पितृ दोष निवारण, आत्म पूजा, अन्नदान और विशेषकर अमावस्या पर पिंड दान का अत्यधिक महत्व है।

श्रद्धालु मानते हैं कि यहां पितृ कर्म करने से पूर्वजों को मोक्ष मिलता है और परिवार पर से पितृ दोष का प्रभाव समाप्त होता है। मंदिर परिसर में नंदीवनम (गोशाला) और भगवान शिव के चरण चिन्ह भी स्थित हैं, जो इसकी पवित्रता को और बढ़ाते हैं। यह पवित्र स्थल तमिलनाडु के तिरुवरूर जिले के कुटनूर से मात्र 2 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। यही नहीं, कुटनूर में देवी सरस्वती का एकमात्र मंदिर भी है, जिसे कवि ओट्टकूत्तर ने बनवाया था। श्रद्धालु तिलतर्पण पुरी आने पर सरस्वती मंदिर के दर्शन अवश्य करते हैं।

अकाल मृत्यु प्राप्त पितरों को दिलाएं मुक्ति

आश्विन मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि का श्राद्ध शनिवार को है। यह श्राद्ध उन लोगों के लिए किया जाता है, जिनकी अकाल मृत्यु हुई हो। इस दिन सूर्य कन्या राशि में और चंद्रमा सिंह राशि में रहेंगे। द्रिक पंचांग के अनुसार, अभिजीत मुहूर्त सुबह 11 बजकर 50 मिनट से शुरू होकर 12 बजकर 39 मिनट तक रहेगा और राहुकाल का समय सुबह 9 बजकर 11 मिनट से शुरू होकर 10 बजकर 43 मिनट तक रहेगा। चतुर्दशी श्राद्ध को 'घट चतुर्दशी', 'घायल चतुर्दशी', और 'चौदस श्राद्ध' भी कहा जाता है। गरुड़ पुराण के अनुसार, चतुर्दशी तिथि का श्राद्ध उन पितरों के लिए किया जाता है, जिनकी अकाल मृत्यु (जैसे दुर्घटना, हत्या, आत्महत्या आदि) हुई हो। स्वाभाविक मृत्यु वाले पितरों का श्राद्ध इस तिथि पर नहीं किया जाता। इस श्राद्ध से संतुष्ट होकर पितर परिवार को सुख, समृद्धि, यश और लंबी आयु का आशीर्वाद देते हैं।

प्रभा खेतान ने नारीवादी विचारों से हिंदी साहित्य को दिया नया नजरिया

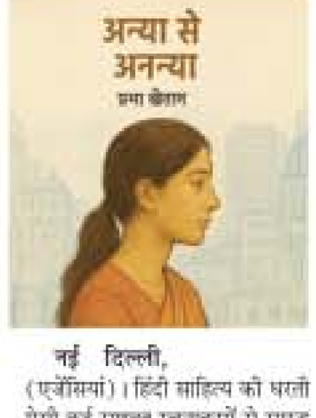

नई दिल्ली, (एजेंसियां)। हिंदी साहित्य की धरती ऐसी कई सशक्त रचनाकारों से समृद्ध है, जिन्होंने अपनी कलम से स्त्री-मन की गहराइयों को न केवल अच्छे से पेश किया है बल्कि नारी के अंदर की उलझनों को बहुत खूबसूरती से उकेरने का काम किया है। इनमें डॉ. प्रभा खेतान एक खास नाम हैं, जो कविता से भावनाओं की दुनिया बनाती हैं। साथ ही आलोचना, निबंध और साहित्यिक नारीवादी विचारों से हिंदी साहित्य को नई दिशा देती हैं।

उनकी किताबें नारी के अंदर की उलझनों और समाज की बेड़ियों को इतनी साफ दिखाती हैं कि पाठक सोचने पर मजबूर हो जाता है। उन्होंने फ्रांसीसी रचनाकार सिमोन द बोउवार की 'द सेकंड सेक्स' का हिंदी अनुवाद 'स्त्री उपेक्षिता' किया, जो उनके नारीवादी विचारों को पेश करता है।

प्रभा खेतान बहुमुखी प्रतिभा की धनी थीं। उन्होंने कविता, उपन्यास, निबंध, अनुवाद और आत्मकथा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण रचनाएं कीं। उनका लेखन मुख्य रूप से स्त्री जीवन की

संपादक की कलम से

कुछ छोड़ें, कुछ माफ करें और रिश्तों को मजबूत बनाएं

जीवन में त्याग एक ऐसा गुण है, जो मनुष्य को आत्मकेंद्रित होने के भाव से निकालकर समष्टि की ओर ले जाता है। जब कोई व्यक्ति अपने स्वार्थ, अपनी इच्छाओं और लालसाओं को छोड़कर दूसरों के हित में कुछ करता है, तो वह केवल दूसरों के जीवन को ही नहीं संवारता, बल्कि स्वयं के भीतर भी एक अनुपम संतोष की अनुभूति करता है। त्याग का अर्थ केवल भौतिक वस्तुओं को छोड़ना नहीं है, बल्कि अपने समय, ध्यान, संवेदना और प्रेम को बिना किसी अपेक्षा के बांटना भी है। यही त्याग उस मां को रात-रात भर जागने की शक्ति देता है, वही त्याग सैनिक को देश के लिए प्राणों की आहुति देने को प्रेरित करता है।

इस त्याग की गहराई तब और बढ़ जाती है जब वह समर्पण में बदलती है। समर्पण का अर्थ है- अपने 'अहं' को विसर्जित कर पूर्ण निष्ठा से किसी व्यक्ति, संबंध या उद्देश्य के प्रति समर्पित हो जाना। जब कोई रिश्ता समर्पण की नींव पर टिकता है, तो उसमें अधिकारों की खींचतान नहीं होती, न ही अपेक्षाओं का बोझ। सच्चा समर्पण हमें यह सिखाता है कि सबसे बड़ा सुख प्राप्त करने में नहीं, स्वयं को देने में है। जब हम अपने आत्म स्वरूप को किसी महान उद्देश्य में लीन कर देते हैं, तभी जीवन अर्थवान बनता है, क्योंकि वह आनंद जो इस समर्पण से प्राप्त होता है, वह किसी बाहरी उपलब्धि से नहीं, भीतर की तृप्ति से जन्म लेता है। त्याग और समर्पण की बात करना जितना सरल लगता है, इन्हें जीवन में उतारना उतना ही कठिन है। ये तभी संभव हैं, जब मन से झूठा अहंकार विदा हो चुका हो। त्याग बिना दिखावे के होता है, समर्पण बिना शर्तों के। मगर जब मन अभिमान और अकड़ से भरा होता है, तब न तो हम त्याग कर पाते हैं, न ही समर्पण। उस स्थिति में हम केवल 'मैं' तक सीमित रह जाते हैं और हमारी खुशियां भी उसी संकीर्ण दायरे में सिमट जाती हैं।

वास्तव में सबसे सच्ची खुशी उस क्षण प्राप्त होती है, जब हम अपने 'मैं' से ऊपर उठकर किसी के 'हम' का हिस्सा बनते हैं। जब हम बिना किसी अपेक्षा के किसी की भलाई के लिए कुछ करते हैं, तो भीतर एक आत्मिक आनंद का संचार होता है। यह आनंद त्याग और समर्पण की उस आंतरिक प्रतिक्रिया का परिणाम होता है, जो तब संभव है जब हम अपने भीतर के अभिमान और कठोरता को पिघला चुके हों।

इसी क्रम में आता है क्षमा, जो त्याग और समर्पण का ही एक उच्चतम रूप है। क्षमा केवल एक शब्द नहीं, एक गहन आत्मिक प्रक्रिया है। जब कोई व्यक्ति सच्चे हृदय से अपने लिए क्षमा मांगता है, तो वह स्वयं को विनम्रता के साथ प्रस्तुत करता है। यह भी एक प्रकार का समर्पण है। मगर उससे भी बड़ा कार्य तब होता है, जब हम स्वयं, उस व्यक्ति को हृदय से क्षमा करते हैं। यह त्याग है अपने भीतर जमी कड़वाहट, आक्रोश और प्रतिशोध की भावना को छोड़ देना।

जिस प्रकार त्याग में हम आत्म-स्वार्थ से ऊपर उठकर दूसरों की भलाई के लिए कार्य करते हैं, उसी तरह क्षमा में हम अपने आहत 'अहं' से ऊपर उठकर दूसरे को हृदय से अपनाते हैं। क्षमा का सार यह है कि हम सामने वाले के अतीत नहीं, उसकी वर्तमान सच्चाई को स्वीकार करें। यह दृष्टि किसी को ऊंचा-नीचा नहीं, बल्कि सच्चा इंसान बनाती है। जब हम माफ नहीं करते, तब हम सामने वाले से कहीं अधिक स्वयं को भीतर ही भीतर जलाते हैं- क्रोध और द्वेष की अग्नि में। लेकिन जब हम क्षमा करते हैं, तब वह आग बुझ जाती है और एक गहरी शांति, हल्कापन और आत्मसंतोष जन्म लेता है। यही सच्ची खुशी है, जो केवल त्याग, समर्पण और क्षमाशीलता के रास्ते ही संभव है। त्याग, समर्पण, क्षमा और अहंकार का विसर्जन- ये चारों जीवन यात्रा के ऐसे पड़ाव हैं, जो हमें सीमित 'मैं' से निकालकर व्यापक 'हम' की ओर ले जाते हैं। ये वे मूल भाव हैं, जो न केवल हमारे संबंधों को बचाते हैं, बल्कि उन्हें और अधिक सशक्त और दिव्य बनाते हैं। अगर हम सच्ची खुशियां पाना चाहते हैं, तो हमें अपने भीतर की कठोरता को पिघलाना होगा, अपनी सीमाओं से बाहर आना होगा। तभी हम जोड़ सकेंगे, क्षमा कर सकेंगे और एक ऐसा जीवन जी सकेंगे, जहां रिश्ते न टूटें, बल्कि हर क्षमा के साथ और अधिक खिलें। जब मनुष्य त्याग करना सीखता है, तो वह अपनी इच्छाओं और अपेक्षाओं से ऊपर उठकर दूसरों के सुख-दुख में सहभागी बनता है। यह त्याग ही संबंधों में विश्वास और स्थायित्व की नींव रखता है। समर्पण हमें यह अनुभव कराता है कि जीवन का असली सुख दूसरों की सेवा और भलाई में छिपा है। यह भाव हमारे रिश्तों को न केवल मजबूत करता है, बल्कि उन्हें और भी गहरा और पवित्र बना देता है। क्षमा, जीवन का सबसे बड़ा वरदान है। यह वह औषधि है, जो टूटे हुए संबंधों को भी पुनर्जीवित कर देती है। क्षमा करने वाला हृदय वास्तव में सबसे बड़ा विजेता होता है, क्योंकि वह कटुता को छोड़कर शांति और प्रेम को अपनाता है। वहीं अहंकार का विसर्जन आत्मा को अपने वास्तविक स्वरूप से मिलाता है। अहंकार हमें बांधता है, जबकि विनम्रता हमें मुक्त करती है। जब ये चार भाव हमारे जीवन का हिस्सा बनते हैं, तो हमारा अस्तित्व केवल व्यक्तिगत सीमाओं तक सीमित नहीं रहता, बल्कि वह संपूर्ण मानवता की सेवा और कल्याण में विस्तार पा जाता है। यही जीवन का सच्चा सार है।

नवरात्रि और सस्टेनेबल फेस्टिवल्स की अवधारणा

डॉ. मनमोहन प्रकाश

पिछले कुछ वर्षों में नवरात्रि के आयोजन का स्वरूप काफी बदल गया है। पहले पूजा घरों और छोटे सामूहिक स्थलों पर सीमित सजावट और प्राकृतिक सामग्री के साथ होती थी, जबकि आज बड़े-बड़े पंडाल, बिजली की चकाचौंध, बांस,प्लास्टिक और थर्मोकोल की सजावट, प्राकृतिक/रासायनिक रंगों से बनी प्रतिमाएँ और प्रसादी का बदलता स्वरूप तथा उत्सव के विविध स्वरूप आम हो गए हैं।

भारतीय संस्कृति में पर्व-त्योहार केवल धार्मिक आस्था तक सीमित नहीं होते, बल्कि वे जीवन-पद्धति, सामाजिक सामूहिकता और प्रकृति से जुड़ाव के भी प्रतीक हैं। नवरात्रि, जो वर्ष में दो बार चैत्र और आश्विन माह में मनाई जाती है, इसका सबसे सुंदर उदाहरण है। यह नौ दिनों का उत्सव माँ दुर्गा के नव स्वरूपों की पूजा-अर्चना का पर्व है, नारी शक्ति को पहचानने का अवसर है जो श्रद्धा, भक्ति और उत्साह का अनूठा संगम प्रस्तुत करता है। किंतु वर्तमान समय में जब जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण और पर्यावरणीय संकट मानव जीवन के लिए गंभीर चुनौती बनकर सामने खड़े हैं, तब नवरात्रि जैसे पर्व हमें यह सोचने का अवसर भी देते हैं कि क्या हमारे उत्सव प्रकृति के अनुकूल हैं या उसके विपरीत? यहीं से ÷सस्टेनेबल फेस्टिवल्स÷ की अवधारणा प्रासंगिक हो उठती है।

पिछले कुछ वर्षों में नवरात्रि के आयोजन का स्वरूप काफी बदल गया है। पहले पूजा घरों और छोटे सामूहिक स्थलों पर सीमित सजावट और प्राकृतिक सामग्री के साथ होती थी, जबकि आज बड़े-बड़े पंडाल, बिजली की चकाचौंध, बांस,प्लास्टिक और थर्मोकोल की सजावट, प्राकृतिक/रासायनिक रंगों से बनी प्रतिमाएँ और प्रसादी का बदलता स्वरूप तथा उत्सव के विविध स्वरूप आम हो गए हैं।

उत्सव की भव्यता से किसी को भी आपत्ति नहीं किन्तु आयोजन कर्ताओं को ध्यान रखना होगा कि देवी प्रतिमाएं इकोफ्रेंडली हो,उनका विसर्जन जलाशयों को प्रदूषित न करें, बिजली की अत्यधिक खपत ऊर्जा संकट न बढ़ाएं है और प्लास्टिक तथा कचरा हमारे शहरों और गाँवों में स्थायी समस्या का रूप न ले। कहने का अर्थ यह है धार्मिक आस्था और भक्ति का यह महत्वपूर्ण पर्व अनजाने में पर्यावरण पर विपरीत प्रभाव न डाले।

यदि हम नवरात्रि के मूल स्वरूप को देखें तो इसमें पहले से ही सस्टेनेबिलिटी का संदेश निहित है। उपवास का उद्देश्य केवल धार्मिक नहीं, बल्कि स्वास्थ्य और संयम से भी जुड़ा है।इस अवधि में मौसमी फल, अनाज और हल्के भोजन का सेवन हमारे शरीर को शुद्ध और मौसम के अनुरूप बनाता है। पूजा सामग्री जैसे नारियल, पान, सुपारी, दूर्वा, पुष्प आदि जैव विघटनीय हैं। यही नहीं, सामूहिक गरबा और डांडिया जैसे नृत्य ऊर्जा और आनंद का ऐसा उत्सव हैं जिनमें किसी प्रकार की भौतिक बर्बादी नहीं होती।वास्तव में भारतीय संस्कृति का मूल भाव ही ÷सतत जीवनशैली÷ है। आज आवश्यकता है कि हम उसी परंपरा को आधुनिक संदर्भ में अपनाएँ।

सनातन समाज ने भारत के कई शहरों और गाँवों में अब पर्यावरण-मित्र नवरात्रि की दिशा में सार्थक पहले आरंभ भी कर दी है जो एक अच्छा संकेत है और मानव का प्रकृति के प्रति संवेदनशील व्यवहार दर्शाता है।तभी तो अब इको-फ्रेंडली प्रतिमाएँ (मिट्टी, प्राकृतिक रंगों और शैवाल से बनी प्रतिमाओं)का प्रयोग बढ़ा है, जिनसे विसर्जन के बाद जलाशयों को नुकसान नहीं पहुँचता है।साथ ही थर्मोकोल और प्लास्टिक की जगह केले के पत्ते, आम्र पल्लव, फूल और कपड़े से सजावट की परंपरा पुनर्जीवित हो रही है। पंडालों में सौर ऊर्जा से रोशनी की व्यवस्था कर ऊर्जा की बचत का भी ध्यान रखा जा रहा है।

प्रसाद और भोजन में मौसमी, स्थानीय और पौष्टिक अनाज-फलों का प्रयोग बढ़ रहा है, खाद्य अपव्यय न हो इसका भी ध्यान रखा जा रहा है। कई आयोजन समितियाँ तो अब ÷कचरा कम करो, कचरा अलग करो÷ जैसे अभियान भी चला रही हैं ताकि जैविक और अजैविक कचरे को अलग-अलग करके पुनर्चक्रण संभव हो और पर्यावरण हितैषी विशिष्ट संदेश दिया जा सके।

इस तरह की पहल दर्शाती हैं कि नवरात्रि जैसे उत्सव पर्यावरण-संरक्षण और सामाजिक चेतना के मंच भी बन सकते हैं।

आधुनिक समय की आवश्यकता अनुसार आज दुनिया भर में ÷सस्टेनेबल फेस्टिवल्स÷ की चर्चा हो रही है। यूरोप, अमेरिका और एशिया के कई देशों में त्योहारों को पर्यावरण-मित्र बनाने पर बल दिया जा रहा है। भारत, जिसकी संस्कृति मूलतः प्रकृति-पूजक रही है, इस दिशा में दुनिया का मार्गदर्शन कर सकती है।मेरा ऐसा मानना है कि यदि हम अपने उत्सवों को पर्यावरण के अनुकूल मनाते हैं तो यह न केवल धरती के लिए बढ़ी राहत होगी अपितु हमारी आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित भविष्य की गारंटी भी होगी।

निष्कर्ष रूप में यही कहा जा सकता है कि नवरात्रि का पर्व हमें माँ दुर्गा की शक्ति के माध्यम से भारतीय नारी शक्ति का स्मरण कराता है। किंतु हमें यह भी नहीं भूलना चाहिए कि वास्तविक शक्ति तो हमारी प्रकृति ही है-धरती, जल, वायु, वनस्पति, प्राणी और प्राकृतिक संपदा। यदि हम इस शक्ति का संरक्षण करेंगे तभी हमारी पूजा सार्थक होगी। अतः इस नवरात्रि पर हमें संकल्प लेना चाहिए कि हम अपने उत्सव को केवल आस्था और भक्ति तक सीमित न रखकर उसे प्रकृति के साथ सामंजस्य का प्रतीक भी बनाये।

÷सस्टेनेबल फेस्टिवल्स÷ की अवधारणा कोई विदेशी विचारधारा नहीं, बल्कि भारतीय जीवन-दर्शन का ही आधुनिक रूप है और समय की मांग भी है। यदि हम इसे व्यवहार में लाएँ तो नवरात्रि केवल देवी-पूजा का पर्व न रहकर एक पर्यावरण-मित्र उत्सव भी बन सकती है। यही नवरात्रि की सच्ची साधना और स्थायी भविष्य की आधारशिला होगी।

आईसीसी से जुड़ा भारत इसलिए पाक से निभाता है क्रिकेट रिश्ते

अजय कुमार

अभी कुछ दिनों पूर्व दुबई में खेले गए एशिया क्रिकेट कप के एक मैच में भारत ने पाकिस्तान को बुरी तरह से रौंद दिया था। वैसे यह पहली बार नहीं हुआ था, ज़्यादातर मौकों पर भारत अपने दुश्मन देश को जंग के मैदान से क्रिकेट के मैदान तक में पटकनी देता रहता है। भारत और पाकिस्तान के बीच कई बार उस समय हॉकी से लेकर क्रिकेट तक के अंतरराष्ट्रीय स्तर के मुकाबले होते रहे थे, जब दोनों देशों की सीमाओं पर तनाव या जंग जैसे हालात रहे थे। पूर्व में चाहे कांग्रेस की सरकार रही हो या फिर आज मोदी की सरकार, कोई इन अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों से किनारा नहीं कर सकती है। यह बात सब जानते और समझते हैं, लेकिन कुछ कथित बुद्धिजीवी और विपक्ष के नेता एशिया कप में भारत-पाक के बीच के मुकाबले ही आड़ लेकर मोदी सरकार को देश विरोधी साबित करने में लगे हैं। इसके लिए जनता को भड़काया जा रहा है। जबकि हकीकत यह है कि भारत एशिया कप में पाकिस्तान के खिलाफ खेलने के लिए बाध्य था, क्योंकि अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों में भाग लेना किसी भी क्रिकेट बोर्ड की जिम्मेदारी और समझौते का हिस्सा है। यदि भारत खेलने से इंकार करता तो कई स्तरों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता, जिसमें आर्थिक, राजनैतिक और खेल जगत की प्रतिष्ठा प्रभावित होती। इस मुद्दे पर भारत में विरोध मुख्यतः राजनीतिक है, पर इसके पीछे आर्थिक, कूटनीतिक और खेल प्रबंधन की मजबूरियां भी हैं।

एशिया कप जैसा टूर्नामेंट इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) और एशियन क्रिकेट काउंसिल (एसीसी) द्वारा आयोजित होता है, जिसमें सदस्य देशों को अपनी टीम भेजनी पड़ती है और पूरे मैच शेड्यूल का पालन करना होता है। अगर भारत भाग नहीं लेता या पाकिस्तान के साथ खेलने से इंकार करता, तो भारत को टूर्नामेंट से बाहर कर दिया जाता और भविष्य के आईसीसी इवेंट्स में भारत की भागीदारी पर सवाल उठते। वहीं आर्थिक दृष्टि से, भारत-पाक मैच सबसे अधिक आकर्षण पैदा करता है, जिससे ब्रॉडकास्टिंग, स्पॉन्सरशिप और रेवेन्यू में भारी नुकसान होता। भारत की छवि वैश्विक क्रिकेट जगत में नकारात्मक होती और आईसीसी सख्त कदम उठाता, जैसे जुर्माना या बैन। यह भी नहीं भूलना चाहिए कि भारत-पाक मैच सबसे बड़े दर्शक संख्या, हाईएस्ट टीवी रेटिंग्स और स्पॉन्सरशिप डील्स का केंद्र है। भारत के न खेलने से आईसीसी और एसीसी को करोड़ों रुपये का नुकसान होता। आईसीसी में भारत की वित्तीय हिस्सेदारी घट जाती। अन्य टेलीविजन नेटवर्क और ब्रॉडकास्टर्स को री-नेगोशिएशन करनी पड़ती। दरअसल, इस बात को भुलाया नहीं जा सकता कि खेल प्रतियोगिताओं को लेकर भारत का रुख साफ है। पाकिस्तान से द्विपक्षीय मैच नहीं, पर बहुपक्षीय टूर्नामेंट्स में सरकार की अनुमति से खेलना ही पॉलिसी है। द्विपक्षीय सीरीज या पाक में टूर्नामेंट की बीजेपी/सरकार इजाजत नहीं देती, पर एशिया कप, वर्ल्ड कप जैसे टाइटल्स में भाग लेना ज़रूरी है, ताकि भारत की क्रिकेट रणनीति, रेपुटेशन और ग्लोबल पोजिशन सुरक्षित रहे।

बहरहाल, भारत में इस मैच को लेकर भारी विरोध प्रदर्शनों और राजनीतिक बयानबाजी की लहर देखी गई। प्रमुख विपक्षी दलों से लेकर राजनीतिक संगठनों आम आदमी पार्टी, शिवसेना, कांग्रेस आदि विरोध में सड़क पर उतर आए। पाक क्रिकेटर्स के पुतले जलाए गए। सुप्रीम कोर्ट तक याचिका गई, कि राष्ट्रहित से ऊपर नहीं है क्रिकेट। यह कहना गलत नहीं होगा कि आज की तारीख में सीमा पार आतंकी घटनाओं के बाद आम भारतीय जनमानस में पाकिस्तान के खिलाफ मैच ही विरोध का प्रतीक बन गया है। स्पोर्ट्स को भावनात्मक तौर पर देखा जाता है। परिवारों, फौजी समुदाय और युवा वर्ग में मैच बहिष्कार की आवाज तेज हो जाती है। यही वजह है कि ÷राष्ट्रभक्ति बनाम रुपया÷ की बहस अब तक जारी है, जबकि केंद्र सरकार और बीसीसीआई बहुपक्षीय टूर्नामेंट्स में राजनीतिक दिशा-निर्देश का पालन करते हुए खेलने को मजबूर हैं। वहीं द्विपक्षीय खेल मुकाबलों में खेल अधिनियम के तहत बीसीसीआई और खेल मंत्रालय का तालमेल जरूरी है। कुल मिलाकर भारत-पाक क्रिकेट विवाद राजनीति की रणभूमि बन चुका है, पर खेल की मजबूरी ऐसी है कि भारत आईसीसी या एसीसी के सामने पूरी तरह से मैच से पीछे नहीं हट सकता। भारत का न खेलना खिलाड़ियों के करियर, निवेश, और अगले वर्ल्ड इवेंट्स पर असर डालता। विरोध राजनीतिक है, पर पर्दे के पीछे खेल एवं आर्थिक हित ज्यादा ताकतवर हैं। इस मैच का विरोध भारत में कूटनीतिक और भावनात्मक स्तर पर है, लेकिन भारत को खेलने की मजबूरी उसकी अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धता, वित्तीय निवेश और खेल प्रबंधन के कारण है। यदि भारत इनकार कर देता, तो भारी वित्तीय नुकसान, अंतरराष्ट्रीय सजा और भारत की क्रिकेट प्रतिष्ठा पर सवाल खड़े होते।

पाप कर्म का फल हानिकारक है

कहहिं कबीर यह कलि है खोटी। जो रहे करवा सो निकरै टोटी।। एक छोटा सा पहाड़ी गांव था। ग्राम के सभी लोग शराब व मांस का सेवन करते थे। जो शराब नहीं पीता था, जो मांस नहीं खाता था उसे ग्राम सजा के रूप में ग्राम बाहर कर देते थे। उसी ग्राम का एक आदमी अपने संबंधी के गांव गया। ग्राम में संतजन आए हुए थे। अतऱ अपने समधी के साथ सत्संग में चला गया। उपदेश का जादू ऐसा कर गया कि वह तत्काल प्रभाव से शराब व मांस सेवन छोड़ दिया। गांव वापस आने पर पूरा परिवार इस दुर्व्यसन को छोड़ दिए। यह तथ्य ग्राम में फैल गई। बैठक हुई और उसे गांव बहिरा की सजा दे दी गई गांव वाले उस परिवार से कटने लगे। नाई, धोबी, नौकर आदि सब ने उसके यहां काम करना बंद कर दिया। कुछ दिन उसे जीवनयापन में अड़चन हुई परंतु धीरे-धीरे सब सामान्य हो गया। गांव के और लोग उनसे प्रभावित होकर शराब मांस छोड़ दिए। साहेब कहते हैं कि, हे अभागा मनुष्य! तुम्हें बुरे कार्य करने के लिए किसने सम्मानित किया है जो रात दिन चोरी, झूठ, नशापान, मांस खाने में आनंद मानते हो और विषयों में सुख का भ्रम पाल रहे हो आज कल में तेरा अंत हो जाएगा। जीवन भर अशुभ कार्य करते हुए इस उत्तम मानव शरीर का दुरुपयोग ही किए हो अतऱ मृत्यु पश्चात तुम्हारा कहां निवास होगा इसका तुम्हें होश नहीं है। राम न रमसि कौन डंड लागा। राम भजन है शुभ कार्य। शुभ कार्य छोड़कर अशुभ काम में लिप्त रहने तुम्हें किसने दंडित या गांव बहिरा किया है? साहेब कहते हैं, पाप कर्म बहुत बुरी बात है। पाप कर्म का फल हानिकारक है, पाप कर्म काटने के लिए तीर्थ जाते हो। पूजा पाठ करते हो।

केश-मुंडन कराते हो। तंत्र-मंत्र तथा पाखंड युक्त कर्म करके मुक्त होना चाहते हो। ये सब तुम्हारा भ्रम है अपने अंदर की पशुत्व को मिटाना छोड़ पशुबलि पर मुक्ति पाने का भ्रम पालते हो। साहेब कहते हैं, जीवन में जिसकी कमाई होगी उसी का फल मिलेगा।

कन्याओं का पूजिये भी, आत्मसुरक्षा भी सिखाइए

अशोक मधुप

21 सिंतबर रविवार से शारदीय नवरात्र शुरू हो गए हैं। नवरात्र में अधिकांश हिंदू परिवार घर में मां के कलश की स्थापना करते हैं।इन नौ दिन उपवास रखकर देवी के विभिन्न रूपों की पूजा की जाती है।देवी स्परुपा कन्याओं को पूजा जाता है। उन्हें जिमाया जाता है। वस्त्रादि भेंट किए जाते हैं। ये परंपरा सदियों से चली आ रही है। सदियों से चली आ रही इस परम्परा में वक्त के हिसाब से अब सुधार की जरूरत है। आज जरूरत है कि हम कन्याओं को पूजे और जिमाएं ही नहीं। उन्हें शिक्षित भी करें।उन्हें आज के समय और परिस्थिति में जीने के अनुकूल बनाए। आत्मसुरक्षा भी सिखाए। उन्हें गुड टच और बेड टच की जानकारी दें। कन्याओं को आज के समाज में शान और सम्मान के साथ जीने के योग्य बनाएं। ज्यादति के खिलाफ बोलना भी बताएं। ज्यादति का मुकाबला भी करना सिखाएं।

नवरात्र देश भर में अलग ?अलग रूप में मनाए जाते हैं। पूजा अर्चन की जाती है। सबका तात्पर्य यह ही है कि देवी शक्ति की पूजा कर हम उनसे अपने और समाज के कल्याण का आशीर्वाद मांगे। स्वस्थ समाज की मांग करे। ये सब कुछ सदियों से चला आ रहा है। आज समय की मांग है कि हम समय के अनुरूप पुरानी मान्यताओं से कुछ आगे बढ़े। वक्त की जरूरत के साथ अपनी मान्यताओं और सोच में परिवर्तन करें।

आज देश की देवियां ,महिलाएं, मातृशक्ति विकास के हर क्षेत्र में अपना योगदान कर रही हैं। कार ङ्क स्कूटर तो बहुत समय से चलाती रही हैं। अब ये आटो, ट्रक,ट्रेन ,मालगाड़ी भी चलाने लगीं हैं।ये प्लेन उड़ा रही हैं। अब तो सेना में जाकर बार्डर की हिफाजत भी महिलाएं कर रही हैं। आधुनिकतम लड़ाकू विमान भी उड़ा रहीं हैं। उन्हें नियंत्रित भी कर रही हैं।

कभी गाना , बजना, नाचना महिलाओं की कला मानी जाती थी। उसमें उन्हें पारंगत करने के साथ? साथ पुराने समय से परिवार की बेटियों को सिलाई, कढ़ाई, बुनाई,अनाज पिसाई,छनाई के साथ घर के कामकाज भोजन बनाने में आदि में निपुण किया जाता था। ताकि वह समय की जरूरत के हिसाब के शादी के बाद अपने परिवार को संभाल सकें। इस समय शिक्षा पर उतना जोर नही था। परिवार की जरूरतें बढ़ी तो पढ़ी ?लिखी महिलाएं घर की चाहरदीवारी से निकलीं। नौकरी करने लगीं। बिजनेस में परिवार को सहयोग देने लगीं।समय बदला । महिलाएं आज शिक्षित हो सभी क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दे रही हैं। नौकरी के लिए अकेली युवती का विदेश जाना अब आम हो गया। पैरा मिलेट्री फोर्सेज में योगदान करने के साथ आज वह सेना में आकर देश सीमाओं को सुरक्षित बनाने और शत्रु से लोहा लेने में भी लगी हैं।

समय के साथ? साथ समाज की प्राथमिकताएं भी बदलीं। नहीं बदला तो महिलाओं और युवतियों के शोषण का सिलसिला। भारतीय समाज में फैली दहेज की कुप्रथा के कारण गर्भ में ही बालिका भ्रूण मारे जाने लगे। परिवार में ही आसपास ने नाते, रिश्तेदारों और अन्यों द्वारा छुटपन से बेटियों के साथ छेड़छाड़ ,यौन शोषण चलता रहा। देश में चेतना आई ,शिक्षा का स्तर बढ़ा पर महिलाओं के प्रति होने वाले अपराध कम नही हुए। हाल ही में राष्ट्रीय महिला आयोग ने सूचित किया कि वर्ष 2021 के प्रारंभिक आठ महीनों में महिलाओं के खिलाफ अपराधों की शिकायतों में पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 46 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। राष्ट्रीय महिला आयोग को साल 2021 में महिलाओं के खिलाफ अपराध की करीब 31,000 शिकायतें मिलीं थी जो 2014 के बाद सबसे ज्यादा हैं। इनमें से आधे से ज्यादा मामले उत्तर प्रदेश के थे। महिलाओं के खिलाफ अपराध की शिकायतों में 2020 की तुलना में 2021 में 30 प्रतिशत का इजाफा हुआ था। साल 2020 में कुल 23,722 शिकायतें महिला आयोग को मिली थीं।राष्ट्रीय महिला आयोग की ओर से जारी आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक 30,864 शिकायतों में से, अधिकतम 11,013 सम्मान के साथ जीने के अधिकार से संबंधित थीं। घरेलू हिंसा से संबंधित 6,633 और दहेज उत्पीड़न से संबंधित 4,589 शिकायतें थीं। ये वे शिकायत हैं जो रजिस्टर होती हैं1 इससे कई गुनी शिकायत तो दर्ज ही नही होती। परिवार का सम्मान बताकर ,युवती की स्मिता की बातकर घटनाएं दबाली जाती हैं।

अब तक बच्चियों को गाने ङ्क बचाना ,डांस करने के वीडियो सामने आते थे। हाल ही में एक वीडियो सामने आया जिसमें एक पिता अपनी बेटी को लाठी चलाना सिखा रहा है। इस छोटे से वीडियो को बहुत पसंद किया गया।एक और वीडियों पोपुलर हो रहा है। इसमें एक युवती अपने चेहरे पर स्कार्फ बांध रही है। एक युवक उसका स्कार्फ लेर उसे राजस्थानी पगड़ी की तरह बाधंता है। युवती के सिर पर पगड़ी बंधी देख दर्शक उसकी प्रशंसा करते हैं। आज समय की मांग है कि परिवार विशेषकर मां बेटी को बचपन से गुड टच और बैड टच बताए। इनका अंतर बताए। कहीं कुछ घर के आसपास , स्कूल में, स्कूल बस में अगर ऐसा होता है तो वह घर आकर बताएं। बेटी अब घर की देहरी के अंदर तक ही सीमित नही रह गई है। वह कार्य के लिए घर से बाहर निकल रही है। ट्रेन में, बस में अकेले सफर कर रही है। नौकरी के लिए सात समुंद पार जा रही है। ऐसे में जरूरत है उसे आत्मसुरक्षा की जानकारी देने की। जूडे-कराटे सिखाए जाएं । जरूरत है घर की प्रत्येक बेअ को आत्मसुरक्षा में निपुण करने की, ताकि वह विपरीत परिस्थिति में अपना बचाव कर सके। अगर ऐसा होगा तो छेड़छाड़ करने वाले के भय से युवती को आत्महत्या नही करनी पड़ेगी, जबकि आज इस तरह की रोज अखबारों में खबर आ रही हैं।

पिछले दिनों मुरादाबाद में से 12वीं में पढ़ने वाली छात्रा ने छेड़छाड़ से परेशान होकर कीटनाशक खा कर आत्महत्याकर ली। मुंबई के विनोबा भावे नगर में चचेरे भाई के बार-बार यौन उत्पीड़न से तंग आकर 15 वर्षीय किशोरी ने आत्महत्या कर ली। उत्तर प्रदेश के पीलीभीत जनपद में मनचले की छेड़छाड़ से परेशान छात्रा ने अपने ही घर में फांसी का फंदा लगाकर खुदकुशी की। इस तरह की खबर रोज अखबारों में सुर्खियां बन रही हैं। हम अपने परिवार की बेटी को ऐसे संस्कार और शिक्षा दें। उसे आत्मनिर्भर बनांए, आत्मसुरक्षा सिखाएं,ज्यादति के खिलाफ उसे आवाज उठाना भी सिखांए ताकि समाज की कन्या और समाज बेटी की खबर अखबार की सुर्खी न बने। उसके साथ ज्यादति करने का कोई हौंसला न कर सके । हाल में अच्छा यह हुआ है कि केंद्र ने इस तरह की घटनाओं के लिए पास्को एक्ट बनाया। इसमें त्वरित न्याय दिलाने की भी व्यवस्था की है, ताकि अपराधी अपराध करता डरे। जरूरत है कि पास्को एक्ट के तहत हुए निर्णयों का प्रचार प्रसार व्यापक स्तर से किया जाए ताकि अपराधी में भय पैदा हो।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

डा.अम्बेडकर पार्क निर्माण के लिए भूमि पूजन

सदर विधायक की पहल से हुयी शुरूआत

ललितपुर। पार्क निर्माण के लिए भूमि पूजन करते विधायक।

ललितपुर। जाखलौन में बहुप्रतीक्षित अंबेडकर पार्क निर्माण हेतु भूमि पूजन और शिलान्यास किया गया। सदर विधायक रामरतन कुशवाहा ने कहा कि बाबा साहब डा. भीमराव अंबेडकर पार्क का निर्माण सामाजिक समरसता को समर्पित किया जा रहा है।

भूमि पूजन अनुष्ठान विधि विधान से संपन्न कराए गये। विधायक ने बाबा साहब डा.भीमराव अंबेडकर के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि उन्होंने अपना पूरा जीवन सामाजिक समरसता और दलितों वंचितों को उनके अधिकार दिलाने के लिए समर्पित किया था। प्रदेश सरकार की भावनाओं के अनुरूप आज अंबेडकर पार्क निर्माण का बहु प्रतीक्षित भूमि पूजन का शुभ कार्य उनके द्वारा संपन्न किया जा रहा है। इस अवसर पर भीम आर्मी सहित बाबा साहब के सिद्धांतों पर चलने वाले कई संगठनों के पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। अन्य वक्ताओं ने कहा कि हमें सामाजिक समरसता के सिद्धांतों पर चलकर समाज में भाईचारे की भावना को मजबूत करना चाहिए।

जिम्मेदारी : डीएम ने किसानों के बीच पहुँच कर सुनी समस्यायें

अतिवृष्टि से फसल-नुकसान का मुआवजा दिलाने का भरोसा दिया

ललितपुर। किसानों के बीच उनकी बात सुनने पहुंचे डीएम।

ललितपुर। अतिवृष्टि से जनपद के किसानों की उर्द व मूंगफली की फसलें प्रभावित हुई हैं, जिसके चलते शनिवार को दर्जनों किसान अपनी समस्याएं व ज्ञापन लेकर जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचे, जानकारी मिलने पर जनशिकायतों व किसानों के प्रति संवदेनशील जिलाधिकारी अमनदीप डुली स्वयं अपने चैम्बर से निकलकर सीधे किसानों के बीच पहुंच गए और उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना। किसानों ने अधिक वर्षा के कारण अपनी उर्द और मूंग की फसलों के हुए नुकसान के बारे में बताया और फसलों की क्षतिपूर्ति के लिए मुआवजे की मांग की। डीएम ने मौके पर ही एडीएम नमामि गंगे एवं जिला कृषि अधिकारी को बुलाकर प्रभावी क्षेत्रों का सर्वेक्षण कराने व भारतीय कृषि बीमा कम्पनी से मुआवजा दिलाने के निर्देश दिये। किसानों के बीच जिलाधिकारी ने कहा कि किसानों की मेहनत का पूरा सम्मान होगा, अतिवृष्टि से बर्बाद हुई फसलों का मुआवजा बीमा कम्पनी के माध्यम से प्रत्येक पात्र किसान तक पहुंचाया जाएगा, किसी को भी उसके नुकसान की भरपाई के बिना नहीं छोड़ा जाएगा। जिलाधिकारी के इस रुख से किसानों के चेहरे पर राहत और खुशी साफ दिखायी देने लगी। किसानों ने कहा कि इस प्रकार से अपनी कुर्सी छोड़ सीधे किसानों के बीच पहुंचे जिलाधिकारी अमनदीप डुली की कार्यशैली जिला प्रशासन के प्रति हमारे विश्वास और हौसले को बढ़ाती है। जिलाधिकारी ने किसानों को भरोसा दिलाया कि शासन-प्रशासन हर कदम किसानों के साथ खड़ा है, प्राकृतिक आपदा से जूझ रहे किसानों को किसी भी हाल में निराश नहीं होने दिया जाएगा।

कार्यवाही : 9 किलो 732 ग्राम अवैध गाँजा समेत दो आरोपी पकड़े

ललितपुर। पकड़े गये नशेबाज।

ललितपुर। पुलिस अधीक्षक मो.मुश्ताक के निर्देशन में, एएसपी कालू सिंह एवं क्षेत्राधिकारी सदर अजय कुमार के निकट पर्यवेक्षण में जनपद में अवैध शराब/मादक पदार्थों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना कोतवाली पुलिस ने संदिग्ध व्यक्ति/वाहन चेकिंग के दौरान मुखबिर की सूचना पर बस स्टैण्ड के पीछे बने शेड के नीचे चौकी क्षेत्र सिविल लाइन से जिला हमीरपुर के थाना मौदहा के पोस्ट रागौल ग्राम कुम्हरिया निवासी वसीम अहमद पुत्र दिलदार अहमद एवं हमीरपुर के ही थाना भरूआ सुमेरपुर अंतर्गत ग्राम इंगोहटा निवासी साकिर खान उर्फ गोलू पुत्र मरहूम नफीस खान को हिरासत में लिया गया, जिनके कब्जे से 09.732 किलो ग्राम अवैध गांजा बरामद हुआ। बरामदगी के आधार पर अभियुक्तगण के विरूद्ध थाना कोतवाली पर मु.अ.सं. 1087/2025 धारा 8/20 एनडीपीएस पंजीकृत किया गया। गांजा के साथ बदमाशों को पकड़ने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक अनुराग अवस्थी, स्वॉट टीम प्रभारी उ.नि.अतुल तिवारी व सर्विलांस प्रभारी उ.नि. अरूण पवार आदि मौजूद रहे।

ललितपुर में भी आवारा कुत्तों का आतंक

मासूम पर हिंसक हमला कर गाल व गर्दन पर काटा, झाँसी रेफर

ललितपुर। जो पहले बड़े शहरों से आवारा कुत्तों के बच्चों पर हमले के मामले सामने आ रहे थे वैसा ही एक मामला ललितपुर में भी सामने आया है। शनिवार को नेहरू नगर में आवारा कुत्ते ने स्कूल जा रहे एक मासूम बच्चे पर अचानक हिंसक हमला कर दिया। कुत्ते ने बच्चे के गाल, गले और हाथ में काट लिया। इसके पहले कि कुत्ता बच्चे की जान को खतरा बनता, राहगीरों ने उसे बचा लिया। घायल को पहले जिला सयुक्त अस्पताल में भर्ती कराया गया फिर हालत गंभीर होने पर उसे झाँसी रिफर कर दिया गया।

ललितपुर। आवारा कुत्ते के हमले से घायल मासूम।

इनका कहना है-

- आवारा कुत्तों के लिए मोहल्ला रामनगर स्थित सुरई घाट के पास शेल्टर होम का निर्माण कार्य कराया जाना है। चुनाव अधिसूचना जारी होने के कारण काम में थोड़ा विलम्ब हो गया है, लेकिन चुनाव उपरान्त शेल्टर होम बनाये जाने की प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जायेगा। जिससे ऐसी घटनाओं पर विराम लग सकेगा। - दिनेश कुमार, ईओ नगर पालिका ललितपुर।

अमझरा में चंदेल समाज की जिला कार्यकारिणी गठित

ललितपुर। अमझरा घाटी के श्री हनुमानजी महाराज मंदिर पर स्थित चंदेल आश्रम में चंदेल समाज की बैठक वनवारीलाल चंदेल की अध्यक्षता में सम्पन्न हुयी। बैठक में जिला कार्यकारिणी का गठन किया गया। नई कार्यकारिणी में अध्यक्ष शिवकुमार चंदेल, महासचिव शंकर चंदेल, संरक्षक बनवारीलाल, मोहन चंदेल, आशाराम, मुन्नालाल, रमेश आचार्य, कालीचरण, इन्दल, कोषाध्यक्ष मानसिंह चंदेल, सह कोषाध्यक्ष ओमप्रकाश, उपाध्यक्ष रवि चंदेल, कंछेदीलाल, मंत्री प्रभदुयाल, रामपाल, रामेश्वर, सुरेन्द्र सिंह, सचिव शंकर सिंह, राजेश, मनोज, आनंद सिंह, राजू, प्रीतम, हरनारायण, ब्लाक अध्यक्ष व महामंत्री और सदस्यों में रामकिशन, सुखनंदन, सौरभ, अंशु चंदेल, मानसिंह, राजीव, नरेन्द्र, बालकिशन, रामकिशन कोमल, आधान, गोपाल सिंह, श्यामसुंदर को शामिल किया गया। कार्यकारिणी गठन उपरान्त सहमति बनी कि आने वाले समय में शिक्षा पर सबसे अधिक ध्यान दिया जाएगा। कहा गया कि आज का युवा यदि पढ़ाई में आगे होगा तो समाज की पहचान और प्रतिष्ठा भी बढ़ेगी। बच्चों और युवाओं को पढ़ाई-लिखाई से जोड़ने के लिए विशेष अभियान चलाए जाने का निर्णय लिया गया।

मिशन शक्ति के 5 : नारी सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलम्बन की नवरात्रि से हुयी शुरूआत

अधिकारियों ने देखा लखनऊ का सजीव प्रसारण

ललितपुर। कार्यक्रम का सजीव प्रसारण देखते अधिकारी।

ललितपुर। शक्ति पर्व शारदीय नवरात्रि पर महिला सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलम्बन को सशक्त बनाने के उद्देश्य से सरकार द्वारा संचालित मिशन शक्ति अभियान के 5वें चरण का शुभारंभ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ से किया। इसका सीधा प्रसारण जिले में देखा गया। राज्यमंत्री मनोहर लाल पंथ, विधायक रामरतन कुशवाहा, जिला पंचायत अध्यक्ष कैलाश नारायण, सदस्य राज्य महिला आयोग अर्चना पटेल, जिलाधिकारी अमलदीन डुली, पुलिस अधीक्षक मो.मुश्ताक समेत सभी ने लाइव प्रसारण देखकर जमीनी स्तर पर अभियान को क्रियान्वित करने का संकल्प लिया। लोकभवन लखनऊ में मुख्यमंत्री ने प्रदेश के 1663 थानों में नवस्थापित मिशन शक्ति केन्द्रों का उद्घाटन कर केन्द्रों से सम्बंधित एसओपी की पुस्तिकाओं का विमोचन किया। सम्पूर्ण कार्यक्रम सशक्त नारी-समृद्ध नारी, जननी से जनशक्ति की थीम पर आधारित था, जिसमें मुख्यमंत्री ने विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों से संवाद किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि नारी शक्ति के सम्मान और आत्मनिर्भरता के बिना समाज का सर्वांगीण विकास सम्भव नहीं है। जिलाधिकारी ने कहा कि महिला थानों की सक्रियता और हेल्पलाइन नम्बर 1090, 112 एवं 181 का व्यापक प्रचार प्रसार किया जाए। उन्होंने डीआईओएस को निर्देशित किया कि वह विद्यालयों, महाविद्यालयों जागरुकता शिविर आयोजत करायें। एसपी ने आश्वस्त किया कि जिले में महिलाओं की सुरक्षा के लिए विशेष निगरानी अभियान चलाये जायेंगे और हर शिकायत का त्वरित निस्तारण सुनिश्चित किया जाएगा। उपस्थित सभी जनप्रतिनिधियों ने मिशन शक्ति को अपना सहयोग देते हुए जनसहयोग से आगे बढ़ाने का संकल्प व्यक्त किया।

न्यूज ब्रीफ

बहला-फुसलाकर युवती को भगाया

ललितपुर। थाना जाखलौन के एक गांव में रहने वाले व्यक्ति ने पुलिस को शिकायती पत्र दिया है। बताया कि उसकी शादी 6 वर्ष पहले ग्राम दावनी निवासी युवती से हुयी थी। बताया कि 12 सितम्बर को उसकी पत्नी मायके में थी और उसकी मां का पुश्तैनी जेवर पहने हुये थी और अपने दो बच्चों को भी साथ लिये थी। बताया कि उक्त दिन ही अपराह्न करीब 2 बजे मध्य प्रदेश के जिला शिवपुरी के थाना खनियाधाना अंतर्गत ग्राम देखो निवासी छोटू पुत्र नृपतिया उसकी पत्नी को मायके से ही बहला-फुसलाकर भगा ले गया। जानकारी करने पर पता चला कि छोटू उसकी पत्नी के साथ अपने गांव में है। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर उक्त व्यक्ति के खिलाफ बीएनएस की धारा 84 के तहत एफआईआर दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी।

रिश्तेदारी में जा रहे लोगों को पीटा

ललितपुर। कोतवाली क्षेत्रांतर्गत चौकी नेहरू नगर के मोहल्ला जुगपुरा निवासी भानू पुत्र रामसेवक अहिरवार ने थाना जाखलौन पुलिस को तहरीर दी है। बताया कि बीती 13 सितम्बर 2025 की रात करीब 8.30 बजे वह अपने रिश्तेदार थाना महरौनी के ग्राम कुरौरा निवासी गब्बर सिंह पुत्र सुखलाल अहिरवार के साथ अपनी रिश्तेदारी थाना जाखलौन के ग्राम दावनी जा रहा था। इसी दौरान रास्ते में दावनी निवासी आशाराम पुत्र मन्जू अहिरवार, ममता पत्नी आशाराम व जुगपुरा में ही रहने वाले राधा पत्नी मलखान और धर्मेंद्र पुत्र बालचंद्र दावनी कलारी के पास आये और उसके साथ गालियां देने लगे। विरोध करने पर उक्त लोगों ने मारपीट शुरू कर दी। बचाव करने आये रिश्तेदार भज्जू पुत्र मन्जू, रामदेवी पत्नी भज्जू के साथ भी मारपीट करते हुये जान से मारने की धमकी दी गयी। हमले में पीड़ित व रामदेवी को गंभीर चोटें आयीं हैं। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर उक्त लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी।

स्वच्छता ही सेवा : रणछोड़धाम घाट पर चलाया विशेष सफाई अभियान

ललितपुर। वेतवा नदी के घाट पर सफाई के बाद पौधरोपण करते विद्यार्थी।

ललितपुर। स्वच्छता ही सेवा पर्व के तहत ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व वाले तीर्थ रणछोड़ धाम घाट पर एक विशेष सफाई अभियान चलाया गया। जिला गंगा समिति द्वारा आयोजित कार्यक्रम में वन विभाग और पंचायती राज विभाग ने संयुक्त रूप से भाग लिया, जिससे अभियान की सफलता को एक बहु-विभागीय समर्थन मिला। सफाई अभियान का उद्देश्य बेतवा नदी किनारे स्थित इस पवित्र घाट की स्वच्छता सुनिश्चित करना तथा स्थानीय नागरिकों के बीच जागरूकता फैलाना था। अधिकारियों, सफाई कर्मियों और उच्च प्राथमिक विद्यालय धौजरी के स्कूली बच्चों ने मिलकर घाट से कचरा एकत्र किया और इसे साफ-सुथरा बनाया। ग्राम प्रधान धौजरी और स्कूली बच्चों ने घाट के किनारे पौधारोपण किया। उप प्रभागीय वनाधिकारी ने पर्यावरण संरक्षण पर जोर देते हुए आस-पास के हरित क्षेत्रों को साफ रखने और पौधारोपण के महत्व के बारे में जानकारी दी। परियोजना अधिकारी जिला गंगा समिति केतन दुबे ने कहा कि रणछोड़धाम घाट का धार्मिक महत्व है और इसे साफ रखना नदियों की स्वच्छता के प्रति हमारे सामूहिक संकल्प को दर्शाता है। जिला कंसल्टेंट स्वच्छ भारत मिशन ने ग्रामीणों को इस तरह के अभियानों से जोड़ने और गांवों को स्वच्छ बनाने की दिशा में काम करने का संकल्प दोहराया। कार्यक्रम में उप क्षेत्रीय वन अधिकारी, खंड प्रेरक, सचिव, अध्यापक आदि मौजूद रहे।

ग्राम बसवाँ की समस्यायें दूर हों

ललितपुर। डीएम को गाँव की बदहाली बताने आये बसवाँ के लोग।

ललितपुर। ब्लाक जखौरा अंतर्गत ग्राम पंचायत बसवां में व्यास समस्याओं को लेकर सपा की ब्लाक कार्यकारिणी ने जिलाधिकारी को एक शिकायती पत्र भेजा है। जिसमें बताया कि ग्राम पंचायत से बेतवा नदी के अधिक बहाव से प्रत्येक वर्ष फसल नष्ट हो जाती है। जिसका बीमा धन किसानों को नहीं दिया जाता। बैंक की लापरवाही से किसान कार्ड धारकों का बैंक द्वारा बीमा नहीं काटा जाता, जिससे किसानों को बहुत नुकसान है। इसकी जाँच कराने, लेखपाल द्वारा किसानों के साथ पक्षपात रोके जाने, मोहल्ला सुर्रा पर सड़क को दोबारा बनवाये जाने और मोहल्ला कंचनपुरा में विद्युत लाइन डलवाये जाने की माँग भी की गयी। ज्ञापन देते समय पुष्पेन्द्र सिंह, धनुषराम, तिलक सिंह बनौली, यादवेन्द्र यादव, कल्यान, कृपाल, जाहर सिंह, सोमेन्द्र यादव, सत्येन्द्र, सोहित यादव, आशीष सिंह, गुलाब, सियाराम, करन, रामेश्वर, सेंदपाल सिंह, खलक सिंह आदि मौजूद रहे।

प्रभातफेरी के समय न करें विद्युत कटौती

ललितपुर। नगर में प्रतिदिन सुबह-सुबह निकलने वाली 'श्रीराम प्रभातफेरी' के समय विद्युत कटौती लगातार की जा रही है। इस विद्युत कटौती के चलते लोगों को प्रभात फेरी निकालने में कठिनाईयों का सामना करना पड़ रहा है। विद्युत कटौती के समय में परिवर्तन किये जाने की मांग को लेकर श्रीहनुमान मंदिर तालबेहट की श्रीराम प्रभातफेरी समिति (रजि.) ने एक ज्ञापन 66 के.वी. तालबेहट के उपखण्ड अधिकारी को सौंपा है। ज्ञापन में बताया कि वे कई वर्षों से तालबेहट में प्रभातफेरी निकाल रहे हैं, जो सुबह 4.30 से 6 बजे तक नगर भर में निकाली जाती है। बताया कि प्रभातफेरी शुरू होते ही विद्युत कटौती शुरू कर दी जाती है, जिससे प्रभातफेरी में आने वालों को गली-मोहल्लों में अंधेरे में ही निकलना पड़ता है, उसी समय नगर के मुस्लिम समुदाय के लोग भी मस्जिदों के लिए भी निकलते हैं। सभी को विद्युत कटौती के चलते होने वाली परेशानियों के कारण किसी अनहोनी घटना की आशंका बनी रहती है। यह भी बताया कि प्रभातफेरी में माताएं-बहनें भी धर्म ध्वज लेकर आती-जाती हैं, उनकी भी सुरक्षा को ध्यान में रखा जाये, तो वहीं सुबह-सुबह उठकर पढ़ाई करने वाले बच्चों को भी कठिनाईयां उठानी पड़ रहीं हैं। इन सभी समस्याओं को ध्यान में रखते हुये विद्युत कटौती का समय परिवर्तित किये जाने की मांग उठायी गयी। ज्ञापन देते समय हुकुम प्रजापति, प्रवेश कुमार श्रीवास्तव, भारत भूषण चौरसिया, हिमांशु, मनोज नामदेव, राकेश पुरोहित, उत्तमप्रकाश, चीकू पाठक, संदेश चतुर्वेदी, सानू पाठक, रामकुमार गुप्ता आदि मौजूद रहे।

शास्त्रीय एवं सुगम संगीत की महफिल ने बाँधा समा

संगीतज्ञ शंभूदयाल संज्ञा की पुण्य स्मृति में हुआ आयोजन

ललितपुर। सुगम शास्त्रीय प्रस्तुत करते कलाकार।

ललितपुर। कीर्तिशेष पंडित शंभूदयाल संज्ञा संगीतज्ञ की पुण्य स्मृति पर संस्कार भारती ललितपुर इकाई एवं लायंस क्लब ललितपुर बुंदेलखंड यूनाइटेड के संयुक्त तत्वावधान में 19 सितंबर 2025 को शास्त्रीय एवं सुगम संगीत का आयोजन संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत डिस्ट्रिक्ट 321बी2 के डिस्ट्रिक्ट गवर्नर श्रसन्मति सराफ, बुंदेलखंड विकास सेना प्रमुख कैप्टन हरीश कपूर टीटू, हेमंत जैन रोड़ा अध्यक्ष लायंस क्लब यूनाइटेड बुंदेलखंड, लक्ष्मीनारायण आचार्यजी, रमेश पाठक रवींद्र, पं.मनमोहन संज्ञा, पं.प्रभु दयाल संज्ञा, पं.बृजमोहन संज्ञा, डॉ.रविंद्र मोहन संज्ञा, आनंद मोहन दुबे, दीपक नामदेव, परवेज पठान आदि द्वारा विद्या और बुद्धि की देवी मां सरस्वती एवं कीर्तिशेष संगीतज्ञ शंभूदयाल संज्ञा के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर की गई। कु.शिवानी झा द्वारा 'राग दरबारी' पर आधारित मां सरस्वती शारदे वंदना प्रस्तुत की गयी। सुप्रसिद्ध गायक अभिमन्यु तोमर द्वारा राग खमाज पर आधारित फिल्म बुड्ढा मिल गया का बेहतरीन गीत 'आयो कहाँ से घनश्याम' प्रस्तुत किया गया जिसे सुनकर श्रोता मंत्रमुग्ध रह गये। संदेश परिहार द्वारा राग दरबारी पर आधारित गीत 'ओ दुनिया के रखवाले' सुनाकर कार्यक्रम को गति प्रदान की गयी। मनमोहन संज्ञा द्वारा राग केदार पर आधारित भक्ति गीत 'किशोरी तेरे चरणों की रज पाऊं' सुनाकर सबको मोहित कर लिया गया। बृजमोहन संज्ञा द्वारा दक्षिण भारतीय राग हंस ध्वनि पर आधारित हनुमत वंदना 'पवन पूत हनुमान लला तुम' प्रस्तुत की गई। जिसे सुनकर श्रोता मंत्रमुग्ध रह गये। पंडित प्रभु दयाल संज्ञा द्वारा कार्यक्रम के समापन पर राग भैरवी में छोटा ख्याल 'कैसी बीन बजाई' प्रस्तुत किया गया। जनपद के ख्याति प्राप्त गीतकार पं.रमेश पाठक रवीन्द्र द्वारा सभी कलाकारों की प्रशंसा में अपनी रचनाओं को प्रस्तुत किया गया। मनमोहन सिंह ने आभार व्यक्त किया। इस शास्त्रीय एवं सुगम संगीत के कार्यक्रम में केशव सुल्लेरे, महान चित्रकार ओमप्रकाश बिरथरे, शिक्षाविद शाँति मालवीय, अजय खरे, सोम निगम, महेश बिरथरे, उषा संज्ञा, रजनी संज्ञा, डॉ.ऋषिका संज्ञा, सुरेश चतुर्वेदी, रोहित चतुर्वेदी, संजय पाठक, संतोष पाठक, शक्ति पाठक, पवन कुमार संज्ञा, मयंक संज्ञा, चंद्र प्रकाश संज्ञा एडवोकेट के अलावा कृष्णकांत सोनी उपाध्यक्ष संस्कार भारती मौजूद रहे।

पुलिस अधीक्षक ने क्षेत्राधिकारी कार्यालय व फायर स्टेशन राजापुर का आकस्मिक निरीक्षण किया

चित्रकूट। थाना राजापुर का आकस्मिक निरीक्षण करते एसपी ।

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह ने क्षेत्राधिकारी कार्यालय राजापुर, थाना राजापुर एवं फायर स्टेशन राजापुर का आकस्मिक निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान रजिस्टर का निरीक्षण कर रजिस्टरों का अद्यावधिक कराने को निर्देशित किया तथा शारदीय नवरात्रि से महिला सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलम्बन के दृष्टिगत शासन द्वारा चलाये जा रहे मिशन शक्ति फेज-5.0 के तहत प्रतिदिन क्षेत्रों में भ्रमणशील होकर महिलाओं-बालिकाओं को मिशन शक्ति फेज का महत्व एवं दायित्व, 1090 पावरलाइन का व्यापक प्रचार एवं प्रसार, आगामी नवदुर्गा पूजन पर महिलाओं की सुरक्षा का व्यापक ध्यान रखा जाए

इस दौरान क्षेत्राधिकारी राजापुर राज कमल, थानाध्यक्ष राजापुर पंकज तिवारी, पीआरओ प्रवीण कुमार सिंह उपस्थित रहे।

राजापुर में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह की अध्यक्षता में अपर जिलाधिकारी उमेश चन्द्र निगम की उपस्थिति में तहसील सभागार राजापुर में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया।

पुलिस अधीक्षक एवं अपर जिलाधिकारी ने संपूर्ण समाधान दिवस में प्रार्थना पत्रों से संबंधित अधिकारियों से कहा कि निर्धारित समय सीमा के अंदर त्वरित स्थलीय निरीक्षण कर शासन की मंशा के अनुरूप व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण कराना सुनिश्चित करें। अपर जिलाधिकारी ने कहा की जनसुनवाई में जमीन, नाला, चकरोड, तालाब, विद्युत,जल जीवन मिशन से सम्बन्धित जो समस्याएं आती है उसका निस्तारण गुणवत्ता पूर्ण कराए।

सम्पूर्ण समाधान दिवस में क्षेत्राधिकारी राजापुर राज कमल, प्रभारी निरीक्षक रैपुरा विनोद कुमार शुक्ला, थानाध्यक्ष राजापुर पंकज तिवारी उपस्थित रहे।

जय माई चौमुखू धाम लुधियाई पर कमेटी के भक्तों द्वारा नव रात्रि महोत्सव की तैयारियां जोरों पर

मंदिर प्रांगण सहित रास्तों का मरम्मत कार्य तेज

चिरगांव /झांसी जयूसं। जनपद झांसी के चिरगांव ब्लॉक अंतर्गत झांसी नैशनल कानपुर हाईवे एन.एच. 27 सेमरी टोल प्लाजा के पास पूर्व दिशा में करीब तीन किलोमीटर की दूरी पर ग्राम लुधियाई में स्थित लोगों की धर्म आस्था का केंद्र बना आदि शक्ति देवी चौमुखू माता मंदिर पर हर वर्ष की बात इस वर्ष भी नवरात्रि महोत्सव की तैयारियां जोरों पर हैं। वहीं नव रात्रि महोत्सव की तैयारी हेतु जय माई चौमुखू धाम लुधियाई पर कमेटी के सदस्यों द्वारा जोरों से तैयारियां शुरू कर दी गई वही कमेटी के अध्यक्ष शिषपाल कुशवाहा ने बताया कि इस बार नवरात्रि 22 सितंबर से प्रारंभ हो रही है जिससे हम सभी भक्तों ने एक माह पूर्व से ही तैयारियां शुरू कर दी थी परंतु बारिश ने काम को बाधित कर दिया और यह लुधियाई से करकोस जाने वाला मार्ग जिस पर मंदिर विराजमान है वह मार्ग पूरी तरह से जर्जर हालातो में रास्ता कच्चा व पुलिया टूटी पड़ी है कोई सुनने वाला नहीं परंतु ऐसी बिकट परिस्थितियों में भी कमेटी के सभी सदस्य जोरों तैयारियां कर रहे हैं। वहीं कमेटी के संरक्षक बृजेन्द्र कुशवाहा भगत जी सहित टीम के समस्त सक्रीय सदस्यों ने बताया कि शेष दो दिनों में पूरा रास्ता जगन मगन अर्थात एकदम सुन्दर व चलने योग्य बना दिया जायेगा।आज साफ सफाई एवं प्रांगण के परिसर की मरम्मत कार्य किया गया।जिससे इस बार भी हम सभी भक्त धूमधाम से अच्छी से अच्छी व्यवस्था कर नवरात्रि महोत्सव सम्पन्न कर सकें इसी बीच वही कमेटी के कोषाध्यक्ष धर्मेंद्र कुशवाहा ने बताया कि यहां हर वर्ष नवरात्रि में नौ ही दिन भिन्न-भिन्न प्रकार के धार्मिक सांस्कृतिक कार्यक्रम संपन्न होते हैं जिसमें हजारों की संख्या में क्षेत्र के एवं दूर दराज से लोग भारी संख्या में उपस्थित होते हैं और चौमुखू माता का आशीर्वाद लेते हैं।इस मौके पर कमेटी संरक्षक बृजेन्द्र कुशवाहा भगत जी,अध्यक्ष शिषपाल कुशवाहा, कोषाध्यक्ष धर्मेंद्र कुशवाहा,सुनील कुशवाहा संचालक,देव कुशवाहा,पीयूष कुशवाहा,जिगर कुशवाहा,अनुराग कुशवाहा,अनमोल कुशवाहा, रोहित कुशवाहा,रविकांत कुशवाहा आदि भक्तगण मौजूद रहे।

न्यूज ब्रीफ

रेडियो बुंदेलखंड ने सामुदायिक विकास में निभाई महत्वपूर्ण भूमिकाः मनीष समाधिया

झाँसी जयूसं। बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय झाँसी के समाज कार्य विभाग के विद्यार्थियों द्वारा ताराग्राम, ओरछा का क्षेत्रीय कार्य भ्रमण किया गया। भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों को ग्रामीण कुटीर उद्योग, सामुदायिक सशक्तिकरण तथा आत्मनिर्भरता के क्षेत्र में चल रही गतिविधियों के साथ साथ रेडियो बुन्देलखण्ड की प्रत्यक्ष जानकारी प्रदान करना था। रेडियो बुंदेलखण्ड के प्रभारी मनीष समाधिया ने कहा बुंदेलखंड के सामुदायिक विकास में रेडियो बुंदेलखंड ने बड़ी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया है । ग्रामीण समस्याओं, कृषि संबंधी समस्याओं के निराकरण में ताराग्राम ने उल्लेखनीय योगदान दिया है । उन्होंने ताराग्राम की चालीस वर्ष की यात्रा के विषय में विस्तार से जानकारी दी । भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने हस्तशिल्प, कागज बनाने की प्रक्रिया, कागज से बनी वस्तुओं तथा तारा ग्राम परियोजना के विभिन्न कार्यों को निकट से देखा और समझा। विद्यार्थियों ने कारीगरों से भी संवाद स्थापित कर उनके अनुभवों तथा आजीविका संबंधी चुनौतियों की जानकारी प्राप्त की। समाज कार्य विभाग के क्षेत्रीय कार्य समन्वयक डॉ मुहम्मद नईम ने बताया कि क्षेत्रीय कार्य भ्रमण छात्रों को व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करते हैं और उन्हें समाज की वास्तविक परिस्थितियों से भी अवगत कराते हैं। इस अवसर पर एमएसडब्लू की छात्रा रूपा सहारिया द्वारा गाई गई बुन्देली मामुलिया, टेसू एवं अभिषेक सिंह द्वारा प्रस्तुत राष्ट्रभक्ति के गीतों को रिकॉर्ड किया गया । इस अवसर पर श्रीमती गुंजा चतुर्वेदी, जाग्रति, अंशिका त्रिपाठी, आस्था यादव, आस्था पाल, सुमित शर्मा, अभिषेक सिंह, नन्दनी, मोहित सिंह, सुमंत समाधिया, मोहम्मद तलहा, योगेन्द्र पाल आदि उपस्थित रहे ।

ट्रक चालकों की गति को किया जाये नियंत्रित : अजीत

चित्रकूट। रात में नो इंट्री खुलने के बाद कर्वी से बेडीपुलिया के बीच ट्रक चालक फर्राटा भरकर दौड़ रहे हैं और इनकी गति सीमा निर्धारित करने की दिशा में कोई ठोस पहल नहीं हो रही पूर्व में कई बड़ी घटनाएं भी घटित हो चुकी लेकिन पुलिस और परिवहन विभाग चेत नहीं रहे बुंदेली सेना ने जिलाधिकारी से कार्यवाही की मांग की है। बुंदेली सेना जिलाध्यक्ष अजीत सिंह ने बताया कि रात के समय आगे पहुंचने की आपाधापी में ट्रक चालक ओवर स्पीड ड्राइविंग करते हैं साथ ही एक दूसरे को उसी स्पीड में ओवरटेक करते हैं कर्वी शहर से बेड़ी पुलिया तक रात में लोगों का आवागमन बना रहता है तमाम लोग रोज तीर्थक्षेत्र आते जाते हैं जबकि बेड़ी पुलिया तक लोग ढाबों में खाना आदि खाने भी रात्रि में निकलते हैं ट्रको की स्पीड देखकर बाइक चालक ही नहीं पैदल राहगीर भी भयाक्रांत हो जाते हैं इस रास्ते में कई बड़ी घटनाएं पहले घटित हो चुकी हैं स बावजूद इसके ट्रकों की स्पीड नियंत्रण की दिशा में कोई ठोस पहल नहीं की गई घटना के बाद लकीर पीटकर जिम्मेदार चुप्पी साध लेते हैं नवरात्रि के समय तमाम लोग रामलीला देखने आते हैं जबकि हाइवे किनारे कई जगह देवी पंडाल भी सजते हैं ऐसे में जरूरी है कि ट्रको की स्पीड नियंत्रित कराई जाय इसके लिए पुलिस की ड्यूटी कपसेठी और अमानपुर गाँव के पास लगाई जाय ताकि ट्रक चालक निर्धारित स्पीड में ही गाडी चलाएं।

नव दुर्गा पर्व को लेकर शांति समिति की बैठक सम्पन्न

गुरसरांय। आगामी नवरात्रि पर्व को शांतिपूर्ण व सकुशल सम्पन्न कराने के उद्देश्य से गुरसरांय थाना परिसर में एक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता उपजिलाधिकारी गरौठा सुनील कुमार ने की, जबकि थाना प्रभारी वेद प्रकाश पांडे भी उपस्थित रहे। बैठक में नगर के गणमान्य नागरिकों एवं नवदुर्गा समितियों के प्रमुख सदस्यों ने भाग लिया। उपजिलाधिकारी ने निर्देश देते हुए कहा कि दुर्गा पंडालों में अश्लीलता या फूहड़ गानों के प्रदर्शन पर कड़ी कार्यवाही की जाएगी। साथ ही, तालाब माता मंदिर परिसर में असामाजिक तत्वों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी। बैठक में यह भी मांग उठी कि पर्व के दौरान नगर में अग्निशमन यंत्र (फायर ब्रिगेड) की गाड़ी उपलब्ध कराई जाए, ताकि किसी आपात स्थिति से निपटा जा सके।

श्री छक्की लाल गेडा विद्यालय में चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया

टहरौली(झांसी) नगर पंचायत टोडीफतेहपुर मै स्वच्छता ही सेवा अभियान के अंतर्गत श्री छक्की लाल गेडा जि.प.उ.मा. विद्यालय में चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नगर पंचायत अध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद कुशवाहा, अधिशासी अधिकारी मनोज प्रियदर्शी एवं डीपीएम नेहा सक्सेना मुख्य रूप से उपस्थित रहे। अतिथियों ने बच्चों को स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के महत्व से अवगत कराया और इस अभियान को सफल बनाने में बच्चों की सक्रिय भूमिका पर बल दिया।

प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने अपनी कलाकृतियों के माध्यम से स्वच्छता और जन-जागरूकता का संदेश दिया। निर्णायक मंडल द्वारा मूल्यांकन के बाद घोषित परिणामों में कक्षा 10 की छात्रा सुहानी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, उसी कक्षा की कीर्ति सोनी द्वितीय स्थान पर रहीं और कक्षा 9 की रागिनी तृतीय स्थान पर रही। विजेता तीनों बच्चों को आकर्षक शील्ड एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए।

इसके अतिरिक्त कक्षा 9 की मुस्कान, पिंकी परिहार एवं रहनुमा मंसूरी, तथा कक्षा 10 के संदीप और नव्या झा के प्रयासों को भी विशेष रूप से सराहा गया। सभी प्रतिभागियों को गिफ्ट और सांत्वना प्रमाण पत्र देकर प्रोत्साहित किया गया। वहीं अन्य प्रतिभागियों को भी गिफ्ट देकर प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम में सभी बच्चों को मार्गदर्शन करते हुए भविष्य में और बेहतर प्रदर्शन करने के लिए निरंतर अभ्यास और लगन के प्रेरणा दी गई।

विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री रविदत्त पाठक ने नगर पंचायत टोडीफतेहपुर तथा अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएँ छात्रों में रचनात्मकता को प्रोत्साहित करती हैं और स्वच्छता के प्रति जिम्मेदारी की भावना जगाती हैं। कार्यक्रम का संचालन विद्यालय के अध्यापक श्री शशिकांत बाजपेयी द्वारा किया गया।

इस अवसर पर विद्यालय के अध्यापक श्री शशिकांत बाजपेयी, वार्डो के सदस्यगण ओमप्रकाश, राजकुमार चौधरी, राजकुमार दुबे, आदेश सिंह, राजा राय सहित नगर पंचायत कर्मचारी हर्ष बौहरे, दिनेश कुशवाहा, धर्मेन्द्र रैकवार, राजा आदि उपस्थित रहे। सभी ने बच्चों का उत्साहवर्धन किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं।

स्वास्थ शिविर में हुआ सैकडों मरीजों का निःशुल्क परीक्षण

झांसी जयूसं। बी पी सी एल के तत्वावधान में ग्राम भोजला मण्डी पर दादा कालीचरन फिलिंग स्टेशन के सहयोग से निः शुल्क नेत्र व स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन हुआ। जिसमें चिकित्सकों द्वारा वाहन चालक , परिचालक व स्थानीय लोगों की नजर , चश्में व मोतियाबिंद,ब्लड प्रेशर, डायबीटीज आदि रोगों की जांच कर उचित परामर्श दिया। शिविर में वाहन चालको व परिचालको को मुफ्त चश्में वितरित किये गये। शिविर में बी पी सी एल से निपुण यादव , डा. मुकेश गुप्ता , डा. राजेश त्यागी व डा.आसिफ़ खान आदि ने लोगों का परीक्षण किया।

इस मौके पर जुझार सिंह कुशवाहा, बाबू भाई, रंजन बाबू, ज्ञान सिंह , लालाराम यादव, रोशन पाल, काली वंशकार , अफसर, पीयूष यादव, दक्ष यादव, नेपाल सिंह फौजी, मोती लाल व प्रदीप आदि मौजूद रहे। अंत में पूर्व जिला पंचायत सदस्य बलवान सिंह यादव ने सभी का आभार व्यक्त किया।

स्मार्ट मीटर होंगे प्रीपेड मीटर

गुरसरांय। नगर में लगे स्मार्ट मीटरों को अब बहुत जल्द प्रीपेड मीटरों में बदला जाएगा। इस संबंध में उपखंड अधिकारी विद्युत शास्वत सिंह ने जानकारी दी कि उच्चाधिकारियों के आदेश पर यह प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। उन्होंने बताया कि गुरसरांय नगर में लगभग 6,000 कनेक्शन हैं, जिनमें से 31 अगस्त तक 4,600 स्मार्ट मीटर लगाए जा चुके हैं। वहीं गरौठा में 1,200 स्मार्ट मीटर स्थापित किए जा चुके है। अब इन सभी को प्रीपेड प्रणाली में परिवर्तित किया जा रहा। प्रीपेड मीटर में बिजली चार्ज वर्तमान दरों के अनुसार ही लिया जाएगा। अभी 150 यूनिट तक 5.50 प्रति यूनिट, 151 से 300 यूनिट तक 6 प्रति यूनिट और उससे अधिक खपत पर 6.50 प्रति यूनिट का शुल्क उपभोक्ताओं को देना होगा। उपखंड अधिकारी ने बताया कि स्मार्ट मीटर लगने के बाद यदि 5,000 से अधिक का बिल बाकी रह जाता है तो कनेक्शन स्वतः कट जाता है। वहीं प्रीपेड मीटर में उपभोक्ता घर बैठे ही यूपीआई, या जन सुविधा केंद्र से भुगतान कर सकेगा।

नई व्यवस्था में उपभोक्ताओं को बैलेंस और रिचार्ज की जानकारी पंजीकृत मोबाइल नंबर पर तीन बार संदेश के माध्यम से दी जाएगी। बैलेंस खत्म होने पर भी तीन बार संदेश भेजा जाएगा। खास बात यह है कि शाम 6 बजे से सुबह 8 बजे तक, रविवार और सार्वजनिक अवकाश के दिन कनेक्शन नहीं काटा जाएगा। इसके अलावा बैलेंस खत्म होने पर उपभोक्ता को तीन दिन का अतिरिक्त समय भी मिलेगा। प्रीपेड मीटर की सबसे बड़ी सुविधा यह होगी कि उपभोक्ता अपने स्मार्टफोन से मासिक, दैनिक और प्रति घंटा खपत की जानकारी आसानी से देख सकेंगे। इससे उपभोक्ताओं को पारदर्शिता और सुविधा दोनों का लाभ मिलेगा।

बुंविवि में मिशन शक्ति 5.0 का लाइव प्रसारण देखा गया

झाँसी जयूसं। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन को सशक्त बनाने हेतु मिशन शक्ति 5.0 का शुभारंभ मुख्यमंत्रीयोगी आदित्यनाथ द्वारा लखनऊ में किया गया। इस अवसर पर प्रदेशभर में आयोजित कार्यक्रमों के अंतर्गत बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झाँसी के हिंदी विभाग में भी इस अभियान के शुभारंभ का लाइव प्रसारण देखा गया। कार्यक्रम का अवलोकन माननीय कुलपति प्रोफेसर मुकेश पांडेय के नेतृत्व में किया गया। इस दौरान माननीय कुलपति प्रो. पांडेय ने मिशन शक्ति 5.0 की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह अभियान नारी सशक्तिकरण की दिशा में एक मील का पत्थर सिद्ध होगा। उन्होंने विद्यार्थियों और शिक्षकों को संदेश दिया कि समाज में महिलाओं के अधिकारों और सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव राजबहादुर ने भी उपस्थित शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को संबोधित किया। उन्होंने छात्र-छात्राओं को मिशन शक्ति 5.0 से जुड़े विभिन्न पहलुओं से अवगत कराते हुए आह्वान किया कि सभी को इस अभियान को सफल बनाने में सक्रिय सहयोग देना चाहिए। अतिथियों का स्वागत हिंदी विभाग के अध्यक्ष प्रो मुन्ना तिवारी द्वारा किया गया। कार्यक्रम में विभागीय शिक्षकों, विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की और इस महत्वपूर्ण पहल के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

पर्यावरण संरक्षण कार्यक्रमों का आयोजन बजरंग इंटर कॉलेज में किया

चित्रकूट। विकास पथ सेवा संस्थान द्वारा पृथ्वी रक्षा यात्रा के अंतर्गत पर्यावरण संरक्षण कार्यक्रमों का आयोजन कंपोजिट विद्यालय कल तथा बजरंग इंटर कॉलेज, सपहा मानिकपुर में किया गया। इस दौरान बच्चों को जल, जंगल और जमीन की महत्ता बताते हुए रासायनिक खादों के अत्यधिक उपयोग और वृक्षों की अंधाधुंध कटाई से उत्पन्न पर्यावरणीय संकट पर जागरूक कियज्ञ

बच्चों को पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई गई और प्रत्येक बच्चे को कम-से-कम एक पेड़ लगाने के लिए प्रेरित किया गया। सामाजिक कार्यकर्ता डॉ. प्रभाकर सिंह ने कहा कि यदि अभी से जल, जंगल और जमीन को बचाने का प्रयास नहीं किया गया, तो आने वाली पीढ़ियाँ जीवन के लिए संघर्ष करेंगी। उच्च प्राथमिक विद्यालय कैलहा प्रधानाध्यापक राजेश सिंह ने कहा कि विद्यालय से ही पर्यावरण जागरूकता का संदेश देना आवश्यक है। वहीं बजरंग इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य कमलेश कुमार ने संस्था के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम बच्चों में जिम्मेदारी और कर्तव्यबोध जगाते हैं। कार्यक्रम के अंत में डाबर इंडिया लिमिटेड की ओर से बच्चों को फ्रूट जूस वितरित किया गया। कार्यक्रम में बजरंग इंटर कॉलेज के प्रबंधक विनोद कुमार पटेल शिक्षक सुशील पटेल संस्थान के लवलेश सिंह सहित 500 से अधिक छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

सुदामा चरित्र के साथ भागवत कथा का हुआ समापन

गुरसरांय। समीपस्थ ग्राम खरका में चल रही श्रीमद्भागवत कथा के सातवें दिन श्रीधाम वृन्दावन से आये पंडित बृजेश त्रिपाठी ने सुदामा चरित्र और परीक्षित मोक्ष आदि प्रसंगों का सुंदर वर्णन किया। सुदामा जी जितेंद्रिय एवं भगवान कृष्ण के परम मित्र थे। भिक्षा मांगकर अपने परिवार का पालन पोषण करते। गरीबी के बावजूद भी हमेशा भगवान के ध्यान में मग्न रहते। पत्नी सुशीला सुदामा जी से बार बार आग्रह करती कि आपके मित्र तो द्वारकाधीश है। उनसे जाकर मिलो शायद वह हमारी मदद कर दें। सुदामा पत्नी के कहने पर द्वारका पहुंचते हैं और जब द्वारपाल भगवान कृष्ण को बताते हैं कि सुदामा नाम का ब्राम्हण आया है। कृष्ण यह सुनकर नंगे पैर दौडकर आते हैं और अपने मित्र को गले से लगा लेते । उनकी दीन दशा देखकर कृष्ण के आंखों से अश्रुओं की धारा प्रवाहित होने लगती है। सुदामा जी को सिंघासन पर बैठाकर कृष्ण जी सुदामा के चरण धोते हैं। सभी पटरानियां सुदामा जी से आशीर्वाद लेती हैं। सुदामा जी विदा लेकर अपने स्थान लौटते हैं तो भगवान कृष्ण की कृपा से अपने यहां महल बना पाते हैं लेकिन सुदामा जी अपनी फूंस की बनी कुटिया में रहकर भगवान का सुमिरन करते हैं। इस लिए कहा गया है कि जब जब भक्तों पर विपदा आई है प्रभु उनका तारण करने जरुर आए हैं। अगले प्रसंग में शुकदेव जी ने राजा परीक्षित को सात दिन तक श्रीमद्भागवत कथा सुनाई, जिससे उनके मन से मृत्यु का भय निकल गया। तक्षक नाग आता है और राजा परीक्षित को डस लेता है। राजा परीक्षित कथा श्रवण करने के कारण भगवान के परमधाम को पहुंचते है।संगीतमयी भागवत कथा में ऑर्गन पर प्रदीप नायक,तबला पर लक्ष्मीनारायण शर्मा,पैड पर राजीव दुवे ने संगत की।भागवत का मूल पाठ आचार्य बिपिन मिश्रा,ने किया।पूजा आचार्यत्व आचार्य हरेंद्र गौतम कर रहे हैं।

भागवत कथा की आरती परीक्षित बुंदेलखंड किसान पंचायत के अध्यक्ष पं गौरीशंकर विदुवा एवं श्रीमती सीता विदुवा ने की। कल सोमवार को विशाल भंडारे का आयोजन होगा।

इस मौके पर चकाडोरी धाम के महंत राकेश दास महाराज,ब्राम्हण महासभा के अध्यक्ष पं महेश चंद्र विदुआ , रामस्वरूप विदुआ,सत्यप्रकाश तिवारी , सतीश मिश्रा श्याम सिंह यादव आत्माराम यादव, संतोष शुक्ला,भारत सिंह बुंदेला, बृंदावन मिश्रा, श्याम विदुआ सुल्तान सिंह यादव,जयराम दर्जी लल्लू कुशवाहा, हरमुन्ना, पाल,ज्ञान सिंह यादव, रघुराज सिंह परमार,राधे गुप्ता रामाधार यादव, समस्त ग्रामवासी क्षेत्रवासी मौजूद रहे।

छात्राओं के लिए लगेगा एथलेटिक्स प्रशिक्षण शिविर

मेजर पिपरैया देंगे प्रशिक्षण

गुरसराय। खेर इंटर कॉलेज बालिका विभाग गुरसराय में छात्राओं के लिए एथलेटिक्स प्रशिक्षण शिविर का आयोजन 23 सितम्बर से किया जाएगा! जिसमें मेजर अखिलेश पिपरैया छात्राओं को प्रशिक्षण देंगे!

आज खैर इंटर कॉलेज बालिका विभाग में प्रधानाचार्य धन प्रकाश तिवारी की अध्यक्षता में एक बैठक संपन्न हुई जिसमें छात्राओं के लिए एथलेटिक्स प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जाना निश्चित किया गया! बैठक में प्रशिक्षक मेजर अखिलेश पिपरैया भी उपस्थित रहे।

बैठक में प्रधानाचार्य धन प्रकाश तिवारी ने कहा कि मेजर पिपरैया ने अपने सेवा काल में अनेक छात्र, छात्राओं को प्रशिक्षण देकर प्रदेशीय एवं राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए तैयार

किया और छात्र-छात्राओं ने विभिन्न प्रतियोगिताओ में विजेता बनकर विद्यालय तथा गुरसराय का नाम रोशन किया! आज वह समाजसेवी के रूप में छात्र,छात्राओं को खेल प्रशिक्षण देने का कार्य कर रहे हैं!

बैठक में उपस्थित मेजर अखिलेश पिपरैया ने कहा कि छात्र-छात्राएं अपने स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहे इसके लिए आवश्यक है कि वह प्रतिदिन योग , शारीरिक व्यायाम एवं खेलों में प्रतिभाग करें! इस उद्देश्य से समय-समय पर विभिन्न खेलो के प्रशिक्षण शिविरों का निशुल्क आयोजन किया जाएगा जिसमें गुरसराय के माध्यमिक विद्यालय एवं महाविद्यालय की छात्राएं भाग ले सकेंगी! संचालन बालिका विभाग के प्रभारी कैलाश प्रकाश गुप्ता ने किया।

आभार जिला पंचायत सदस्य प्रवक्ता जितेंद्र पटेल ने व्यक्त किया। इस मौके पर प्रवक्ता डॉ विवेक मुद्गल, उपमा सिंह,राजेश चंद्र, प्रदीप कुमार स्वर्णकार,राजेन्द्र प्रसाद, अर्चना मोदी, सुनील कुमार व्यास, अध्यापक राज बहादुर सिंह, सरजू शरण पाठक, अशोक कुमार आर्या, अमित प्रताप सिंह भदौरिया, रामसेवक गौतम, संजय दोन्दे रिया, राकेश कुमार व्यास, सुरभि पटेल, सौरभ कुमार अग्रवाल, वर्षा विश्वकर्मा, कौशलेश मिश्रा बाबूजी आदि उपस्थित रहे।

सरकार का उद्देश्य महिलाओं एवं बालिकाओं को सशक्त, सुरक्षित, आत्मनिर्भर एवं स्वावलम्बी बनाना : मंत्री

■ हाईस्कूल , इण्टरमीडिएट परीक्षा में जनपद का नाम रोशन करने वाली छात्राओं को किया सम्मानित

■ मिशन शक्ति-5.0 का शुभारम्भ कार्यक्रम कलेक्ट्रेट सभागार में सम्पन्न

झांसी जयूसं। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम, खादी एव ग्रामोद्योग, रेशम उद्योग, हथकरघा तथा वस्त्रोद्योग विभाग के मंत्री राकेश सचान ने कहा कि सरकार द्वारा संचालित योजनाओं को धरातल पर मूर्तरुप में लाने के लिए जिला प्रशासन के अधिकारियों द्वारा कुशलतापूर्वक कार्य किया जा रहा है। प्रदेश के मुख्यमंत्री के निर्देशन में आयोजित इस मिशन शक्ति पंचम चरण कार्यक्रम का शुभारम्भ प्रदेश के प्रत्येक जनपद, तहसील एवं विकास खण्ड पर किया जा रहा है। यह बात उन्होंने नारी शक्ति-समृद्ध प्रदेश अन्तर्गत नारी सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलम्बन हेतु समर्पित मिशन शक्ति - 5.0 (पंचम चरण) का शुभारम्भ करते हुए कही है।

उन्होंने कहा कि माँ जगत जननी के आगमन (नवरात्र प्रारम्भ) से 02 दिन पूर्व इस मिशन शक्ति कार्यक्रम का शुभारम्भ मातृशक्ति के लिए अत्यधिक गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि सरकार का मुख्य उद्देश्य महिलाओं एवं बालिकाओं को सुरक्षित, सशक्त, आत्मनिर्भर एवं स्वावलम्बी बनाना है। वर्तमान सरकार द्वारा सत्ता में आने के पश्चात प्रदेश के विकास को शीर्ष पर पहुंचाने के लिए निरंतर नये-नये प्रयास किये जा रहे है। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित मिशन शक्ति-5.0 के शुभारम्भ अवसर पर लोक भवन सभागार, लखनऊ में आयोजित मुख्य कार्यक्रम का सजीव प्रसारण दिखाया गया, जिसमें मिशन शक्ति के उद्देश्यों, क्रियान्वयन एवं लाभ के बारे में प्रदेश के मुख्यमंत्री एवं अन्य मंत्रीगणों द्वारा विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की गयी।

महिला कल्याण विभाग ने छात्राओं का किया सम्मानित

जनपद में शैक्षिक सत्र 2024-25 के तहत यूपी बोर्ड कक्षा-10 में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाली छात्रा अलीशा कुरैशी, छात्रा अदिति हयारण, छात्रा बंशिका सिंह, छात्रा नैन्सी यादव, छात्रा डॉली दुबे को महिला कल्याण विभाग के सौजन्य से 05 हजार रुपये की राशि का प्रशस्त्रि पत्र गौरव सम्मान के रुप में प्रदान किया गया।

यह नेता व अफसर रहे मौजूद

इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष पवन कुमार गौतम, विधायक गरौठा जवाहर लाल राजपूत, सदस्य उप्र विधान परिषद रमा निरंजन, सदस्य उप्र विधान परिषद रामतीर्थ सिंघल, सदस्य उ.प्र. विधान परिषद डॉ. बाबूलाल तिवारी, समाजसेवी व उद्योगपति वीरेन्द्र राय, मण्डलायुक्त बिमल कुमार दुबे, पुलिस महानिरीक्षक आकाश कुलहरि, जिलाधिकारी मृदुल चैधरी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बीबीजीटीएस मूर्ति, मुख्य विकास अधिकारी जुनैद अहमद, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ.सुधाकर पाण्डेय, उप निदेशक महिला कल्याण श्रवण कुमार गुप्ता, जिला विकास अधिकारी सुनील कुमार, उपायुक्त उद्योग मनीष चैधरी, उपायुक्त स्वतः रोजगार बृजमोहन अम्बेड, जिला प्रोबेशन अधिकारी सुरेन्द्र कुमार पटेल, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी विपुल शिव सागर, जिला कार्यक्रम अधिकारी बिपिन कुमार सहित पुलिस विभाग एवं महिला कल्याण विभाग की महिला कर्मचारी, आंगनबाड़ी कार्यकत्री एवं मातृशक्ति उपस्थित रही। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ समाजसेविका/ शिक्षाविद डॉ.नीति शास्त्री ने किया।

आगामी एक माह का समय संवेदनशील : डीएम

■ शोहदों को उन्हीं की भाषा में जवाब दिया जाएगाः एसएसपी

■ जनपद में 933 स्थानों पर विराजेगींदुर्गा प्रतिमाएँ, 06 मेला लगेगें, 06 इस स्थानों पर होगी रामलीला, 05 राम बारात निकलेगी

झांसी जयूसं। जिलाधिकारी मृदुल चौधरी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बीबीजीटीएस मूर्ति ने आज कलेक्ट्रेट नवीन सभागार में आगामी आने वाले पर्वों एवं त्योहारों-नवरात्रि, दुर्गा पूजा, दशहरा, दीपावली, अग्रसेन जयंती आदि के दृष्टिगत धर्म गुरु/ दुर्गा पंडाल के आयोजकों एवं प्रशासनिक अधिकारियों के साथ त्योहारों को हर्षोल्लास,सौहार्द और परंपरागत मनाए जाने के साथ ही कानून व्यवस्था की समीक्षा की।

जिलाधिकारी मृदुल चौधरी ने कहा कि पर्वों एवं त्योहारों का आगामी एक माह का समय संवेदनशील है। एक माह त्योहार की उमंग से परिपूर्ण होंगे, बाजारों में भीड़ होगी। विभिन्न आयोजनों में बड़ी संख्या में महिलाएं, बच्चे, वरिष्ठ नागरिक आदि की सहभागिता होगी। इसके दृष्टिगत विशेष सतर्कता बरतने के साथ-साथ सभी आवश्यक सुरक्षा उपाय सुनिश्चित किए जाएं। क्षेत्र में पुलिस पेट्रोलिंग बढ़ायी जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद में परम्परागत रूप से 933 स्थलों में माँ दुर्गा की प्रतिमाएं स्थापित की जा रही हैं। इसके अतिरिक्त भी प्रतिमाओं की स्थापना होती है। उन्होंने बैठक दुर्गा पूजा आयोजन समितियों के सदस्यों से संवाद करते हुए प्रतिमाओं की स्थापना सुरक्षित स्थान जैसे सार्वजनिक स्थानों आदि में कराए जाने का सुझाव दिया , ताकि सड़क पर सामान्य यातायात प्रभावित न हो। इस कार्यवाही में लोगों की आस्था और जनभावना का पूरा सम्मान किया जाना चाहिए।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बीबीजीटीएस मूर्ति ने आने वाले त्योहारों को शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराए जाने हेतु पुलिस व्यवस्था को और बेहतर बनाए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा की ड्यूटी पर तैनात पुलिस आरक्षी अपनी तैनाती स्थल पर ही रहे। इसे अवश्य कड़ाई से सुनिश्चित किया जाये। बैठक में उन्होंने आश्वस्त कराया कि उपद्रवियों/अराजक तत्वों, शोहदों को उन्हीं की भाषा में जवाब दिया जाएगा।

इस मौके पर डॉ.विवेक बाजपेयी, संजीव अग्रवाल लाला, मुकेश अग्रवाल, पंडित पीयूष रावत, विनोद अवस्थी, वरुण अग्रवाल, रविश त्रिपाठी आदि ने आने वाले त्योहारों के दृष्टिगत क्षेत्र मेंलटके हुए विद्युत तारों को ठीक करने, सड़कों को गड्ढा मुक्त कराए जाने, नगर क्षेत्र में अतिक्रमण की समस्या का निराकरण करने तथा आयोजन स्थल पर पुलिस व्यवस्था को मजबूत किए जाने का सुझाव दिया।

इस अवसर पर एडीएम प्रशासन शिव प्रताप शुक्ल, एडीएम वित्त एवं राजस्व वरुण कुमार पाण्डेय, एसपी देहात डॉ. अरविंद कुमार, नगर मजिस्ट्रेट प्रमोद झा, समस्त उपजिलाधिकारी, विद्युत विभाग, लोक निर्माण विभाग, जल निगम, जल संसाधन सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

न्यूज ब्रीफ

वाहन चालक को दस दिन का कारावास

झांसी जयूसं। न्यायालय एसीजेएम गरौठा ने सड़क हादसे के मामले में वाहन चालक को दस दिन का कारावास और 2500 रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है। गरौठा थाना क्षेत्र में रहने वाले धरनीधर मिश्रा ने गरौठा थाना क्षेत्र के ग्राम पसौरा निवासी आशीष यादव के खिलाफ सड़क हादसे का मुकदमा दर्ज कराया था। पुलिस ने आशीष यादव के खिलाफ दफा 279,337,338 के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया था।

तमंचा रखने पर 15 सौ का जुर्माना

न्यायालय जेएम कोर्ट गरौठा ने तमंचा रखने के आरोप में दोषी मानते हुए टोड़ीफतेहपुर थाना क्षेत्र के ग्राम तुर्का लहचूरा निवासी हरपाल सिंह को जेल में बिताई गई अवधि व 15 सौ रुपये के जुर्माना से दंडित किया है। मालूम हो कि टोड़ीफतेहपुर थाना पुलिस ने तमंचा रखने के आरोप में हरपाल सिंह को गिरफ्तार किया था।

खाद्य सामग्री बेचते अवैध 11 वेंडर पकड़े

झांसी जयूसं। वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त के निर्देशन में प्रभारी निरीक्षक रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट वीजीएलजे के नेतृत्व में वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी स्टेशन पर आने जाने वाली गाड़ियों व स्टेशन परिसर मे अवैध वेंडर के विरुद्ध सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। इस अभियान के दौरान 11 अवैध वेंडर पकड़े गए। इनके खिलाफ कार्रवाई की गई।

गुणवत्तायुक्त अदरक उत्पादन प्रबंधन

झाँसी जयूसं। रानी लक्ष्मी बाई केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, झाँसी के उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय के वैज्ञानिकों ने अदरक फसल प्रबंधन की सलाह दी है। डॉ.विनोद कुमार और डॉ.उमेश पंकज ने संयुक्त रूप से बताया कि सितम्बर माह अदरक की फसल के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होता है क्योंकि इस समय पौधों की तीव्र बढ़वार होती है तथा कंदों का विकास तेजी से प्रारंभ होता है। इस अवधि में किसानों को नियमित निंदाई-गुड़ाई कर खरपतवार नियंत्रण अवश्य करना चाहिए। जिससे पोषक तत्वों की प्रतिस्पर्धा न हो। पौधों के चारों ओर हल्की मिट्टी चढ़ाना भी लाभकारी है, जिससे कंदों की मिट्टी के अन्दर बढ़वार अच्छी हो सके और उनका आकार बड़ा तथा गुणवत्तापूर्ण बनता है। आवश्यकता अनुसार हल्की सिंचाई करें और खेत मेंजलभराव की स्थिति न बनने दें, क्योंकि इससे कंद सड़न रोग तेजी से फैल सकता है। पोषण प्रबंधन हेतु प्रति हैक्टेयर 20-25 किलोग्राम यूरिया की टॉप ड्रेसिंग करें। रोग प्रबंधन में पत्ती झुलसा प्रबंधन के लिए मैन्कोजेब 0.25प्रतिशत या कॉपर ऑक्सीक्लोराइड 0.3 प्रतिशत का छिड़काव 10-12 दिन के अंतराल पर करें। कंद सड़न रोग के प्रारंभिक लक्षण दिखने पर कार्बेन्डाजिम (0.2त्र) या मेटालेक्सिल (0.2त्र) की 2-3 बार मिट्टी में ड्रेंचिंग करें। बैक्टीरियल विल्ट की रोकथाम के लिए संक्रमित पौधों को उखाड़कर नष्ट करें और खेत की स्वच्छता बनाए रखें। कीट प्रबंधन में तना छेदक या सफेद गिडार की रोकथाम हेतु क्लोरपायरीफॉस (2-5 मि.ली./लीटर) से ड्रेंचिंग करें, जबकि पत्ती फुदका और थ्रिप्स के प्रबंधन के लिए इमिडाक्लोप्रिड (0.3 मि.ली./लीटर) का छिड़काव करें। फसल की निरंतर निगरानी करते रहें और प्रकोप के लक्षण दिखाई देते समय प्रबंधन करें।

बीयू : विश्व पर्यटन दिवस समारोह का हुआ पोस्टर विमोचन

झाँसी जयूसं। बुंदेलखण्ड विश्वविद्यालय के पर्यटन एवं होटल प्रबंधन संस्थान द्वारा गतवर्षों की भांति इस वर्ष भी विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों व प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है, जिसका पोस्टर विमोचन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. मुकेश पाण्डेय व कुलसचिव राजबहादुर द्वारा आईटीएचएम विभाग के शिक्षकों व विद्यार्थियों की उपस्थिति में किया गया।

विभागाध्यक्ष प्रो. देवेश निगम व कार्यक्रम सचिव डॉ. जीके श्रीनिवासन द्वारा 23 सितम्बर से 27 सितम्बर तक आयोजित होने वाले सभी कार्यक्रमों की जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि इस वर्ष संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन द्वारा निर्गत थीम सस्टैनबल ट्रांसफॉर्मेशन के अंतर्गत पोस्टर, रंगोली, व्यंजन, विडियोक्लीप प्रतियोगताओं सहित पर्यावरण के दृष्टिगत वृक्षारोपण व स्वच्छता अभियान तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जायेगा। कुलपति ने सभी को सफल कार्यक्रम की अग्रिम शुभकामनाएं दी।

इस अवसर पर प्रो. अपर्णा राज, प्रो. सुनील काबिया, प्रो. प्रतीक अग्रवाल, डॉ संजय निभोरिया, प्रो. एसपी सिंह, प्रो. आरके सैनी, डॉ सुधीर द्विवेदी, रमेश चंद्रा, आशीष सेठ, मुकुल खरे, डॉ प्रणव भार्गव, डॉ सत्येंद्र चौधरी, आस्था सिंह, मेधा जयसवाल, जयकिशन पुरोहित, अभिषेक जोशी, अंकुर चाचरा, निशांत पुरवार, हर्षित तिवारी, ऋषभ पराशर, मान्या कुशवाहा आदि उपस्थित रहे।

संपूर्ण समाधान दिवस में शिकायतों को सुनकर किया निस्तारण

■ दबंग कब्जाधारियों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज करते हुए गैंगस्टर की कार्रवाई करने के निर्देश

झांसी जयूसं । जिलाधिकारी मृदुल चौधरी ने कहा कि सम्पूर्ण समाधान दिवस पर ऐसे प्रार्थनापत्र जो विभिन्न विभागीय योजनाओं का लाभ प्राप्त करने वाले हैं। उन्हें प्राथमिकता से निस्तारित करते हुए आवेदनकर्ता को लाभान्वित किया जाना सुनिश्चित किया जाए।

जिलाधिकारी मृदुल चौधरी ने कहा कि सभी राजस्व कर्मी एवं लेखपाल अपने क्षेत्र में जाये तथा सेक्टर आदि की स्वयं नाप करें ताकि भूमि विवाद उत्पन्न ही ना हो। उन्होंने समस्त लेखपालों को निर्देश दिए कि गलत ढंग से भूमि पर कब्जा करने वालों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज करना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने उपस्थित लेखपालों से कहा कि आप अपने मूल कार्यों को संवेदनशील होकर करें, उन्होंने यह भी कहा कि भूमि विवाद ना निपटने की स्थिति में धारा 145 पर कार्यवाही करें।

साहब, प्रधानमंत्री आवास योजना में आवास दिलाए जाए

जिलाधिकारी को शिकायती पत्र देते हुए पिंकी पत्नि महादेव परिहार निवासी मकान नं.46 बिजौली, झॉसी ने बताया कि उसके पास कोई भूमि नहीं है तथा स्वयं का कोई मकान नहीं है। प्रार्थिनी पति के साथ किराये के मकान में रहती है। मेरे पति मजदूरी करके मेरा व मेरे दो बच्चों का पालन पोषण करते है। आय का अन्य कोई साधन नहीं हैं हम लोग अत्यन्त गरीब निराश्रित व्यक्ति है। प्रार्थना है कि प्रार्थिनी को प्रधान मंत्री आवास योजना के अन्तर्गत कहीं भी आवास में रहने का साधन मिल जाय तथा कृषी भूमि का पट्टा देने की कृपा करें। प्रार्थिनी अत्यन्त आभारी रहेगी। इस मौके पर प्रभागीय वनाधिकारी नीरज कुमार आर्या,एसडीएम सदर गोपेश तिवारी सहित समस्त विभागों के जिलास्तरीय अधिकारी अधिकारी उपस्थित रहे।

रंग समागम : पाँच महिला चित्रकारों की चित्रकला प्रदर्शनी का उद्घाटन

झाँसी जयूसं। राजकीय संग्रहालय, झाँसी एवं ललित कला संस्थान, बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आज पाँच महिला चित्रकारों की चित्रकला प्रदर्शनी -रंग समागम का भव्य उद्घाटन हुआ। यह प्रदर्शनी प्रसिद्ध लोक कलाविद् स्व. डॉ. मधु श्रीवास्तव की स्मृति को समर्पित है और इसमें नारी शक्ति, प्रकृति दर्शन, अमूर्त कला तथा पारंपरिक भारतीय लोक कला से जुड़ी रचनाएँ प्रमुख रूप से प्रदर्शित की गई हैं। कार्यक्रम का आरंभ स्व. डॉ. मधु श्रीवास्तव के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन द्वारा किया गया। दीप प्रज्वलन के उपरांत माननीय अतिथियों एवं कला-प्रेमियों द्वारा प्रदर्शनी का अवलोकन किया गया, जहाँ पाँचों महिला चित्रकारों की कृतियों ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। तत्पश्चात मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथियों को मंच पर आमंत्रित कर पट्टिका एवं पुष्पमाला पहनाकर उनका स्वागत किया गया। तत्पश्चात अतिथियों द्वारा चित्रकला प्रदर्शनी के कैटलॉग का विमोचन किया गया!

मुख्य अतिथि डॉ. सुनीता -सहायक आचार्य, ललित कला संस्थान, बु.वि.वि. ने अपने उद्बोधन में कलाकारों की कला की सराहना करते हुए कहा ये रचनाएँ न केवल सौंदर्य प्रस्तुत करती हैं, बल्कि भावनात्मक और सांस्कृतिक परिचय भी देती हैं। महिला कलाकारों को चाहिए कि वे निरंतर अभ्यास और प्रयोग से और भी ऊँचाइयाँ छुएँ। नये कलाकारों को इनसे प्रेरणा लेनी चाहिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. मनोज गौतम -उप निदेशक, राजकीय संग्रहालय ने की। उन्होंने कहा कि संग्रहालय कला और संस्कृति का जीवंत केंद्र है। यहाँ आयोजित यह प्रदर्शनी नारी सृजन शक्ति की पहचान है और झाँसी के सांस्कृतिक परिदृश्य को और समृद्ध करती है।

इस अवसर पर वरिष्ठ चित्रकार किशन सोनी एवं कलाकार कामिनी बघेल ने भी अपने प्रेरक वक्तव्यों के माध्यम से महिला कलाकारों को प्रोत्साहित किया और उनके कार्यों की सराहना की।

समारोह के दौरान पाँचों महिला कलाकारों डॉ. दीप्ति सिंह, किरण बावरिया, श्वेता मालवीय, वाणी गुप्ता तथा ख्याति अग्रवाल – को पट्टिका एवं पुष्पमाला पहनाकर स्वागत किया गया। मंच संचालन करते हुए अमर सोनी ने न केवल कार्यक्रम को जीवंत बनाया, बल्कि प्रतिभागी कलाकारों का परिचय और उनकी कला-यात्रा को कलाकारों द्वारा श्रोताओं के समक्ष रोचक और भावनात्मक शैली में प्रस्तुत किया। और जानकारी दी यह प्रदर्शनी दो दिवसीय है और 20 एवं 21 सितम्बर 2025 को प्रतिदिन प्रातः 11 बजे से सायं 4 बजे तक कला वीथिका, राजकीय संग्रहालय में दर्शकों के लिए खुली रहेगी। समापन एवं सम्मान समारोह 21 सितम्बर को अपराह्न 3 बजे आयोजित होगा।

अंत मे संयोजक डॉ.अजय कुमार गुप्ता ने उपस्थित सभी कलाप्रेमियों का आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम का संयोजन दिनेश श्रीवास्तव, डॉ. अजय गुप्ता एवंप्रवीण सिंह राजा,गजेंद्र सिंह द्वारा किया गया। इस अवसर पर सुमन द्विवेदी, सुदर्शन शिवहरे, काजल ओझा, उमाशंकर, ऋषिका सोनी,राजेन्द्र कौर सोढ़ी, सहित अनेक युवा कलाकार एवं छात्र-छात्राएँ भी उपस्थित रहे, जिन्होंने कलाकारों की कृतियों का अवलोकन किया और उनसे प्रेरणा प्राप्त की। शहर के कला-प्रेमियों, विद्यार्थियों और संस्कृति-जगत से जुड़े लोगों की बड़ी उपस्थिति ने इस आयोजन को सफल और जीवंत बना दिया। सभी ने महिला कलाकारों की रचनाओं की मुक्तकंठ से सराहना की और इसे झाँसी की कला परंपरा का गौरवपूर्ण अध्याय बताया।

स्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक नाथूराम कुशवाहा द्वारा जनता यूनियन प्रेस, शिव परिवार कालोनी, उन्नाव गेट बाहर झाँसी से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक - नाथूराम कुशवाहा*
फोन नं. 0510-2331158 आरएनआई नं. यूपीएचआईएन/2007/22191 समस्त विवादों का निपटारा झाँसी न्यायालय के अधीन होगा। *पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए उत्तरदायी